हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 181 बेमेतरा, शनिवार 21 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

30 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी मामले में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को मिली जमानत

मुंबई। 30 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मामले में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है और साथ ही दोनों पक्षों को मध्यस्थता के जरिए मामले को सुलझाने की सलाह दी है। इससे पहले 13 फरवरी को मामले को लेकर हुई सुनवाई में पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने दंपत्ति को मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत दी थी और कहा था कि जेल में बंद करके पैसे की रिकवरी नहीं की जा सकती है और साथ ही राजस्थान पुलिस को मामले में नोटिस भी जारी किया था। गुरुवार को कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए दंपत्ति को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन जमानत के दिशा-निर्देश उदयपुर कोर्ट ही तय करेगा।

बटुकों को घर बुलाकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया सम्मान

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के माघ मेला में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और प्रशासन के बीच हुआ विवाद अब राजनीतिक मुद्दा बन गया है। मामले को लेकर बयानबाजी तेज है और सियासी आरोप-प्रत्यारोप थमने का नाम नहीं ले रहे। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास पर बड़ी संख्या में बटुकों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया। इस दौरान बटुकों ने उन्हें फूल भेंट कर स्वागत किया और उनके समर्थन के लिए आभार जताया। एक बटुक ने कहा कि डिप्टी सीएम ने उनकी आवाज उठाई और सम्मान दिया। दूसरे बटुक ने कहा कि वे सनातन समाज के पक्ष में खड़े होने और उनके साथ हुए अन्याय के मुद्दे को उठाने के लिए उनका धन्यवाद करने आए हैं। वहीं, यूपी सरकार के मंत्री ओपी राजभर ने कहा, यह साफ है कि हिंदू धर्म के सिद्धांतों के अनुसार, जैसा कि ब्रजेश पाठक ने कहा है, किसी को चोटी से खींचना हिंदू धर्म की परंपराओं के खिलाफ है और यह गलत है। यह बात सही है।

नोएडा के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सीबीएसई परीक्षा के दौरान मचा हड़कंप

नोएडा। नोएडा में उस समय हड़कंप मच गया, जब शहर के एक दर्जन से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए। यह धमकी ऐसे समय में दी गई, जब स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षा के दौरान आई इस धमकी ने छात्रों, अभिभावकों और स्कूल प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार सुबह कई निजी स्कूलों के आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरे संदेश भेजे गए। ईमेल में स्कूल परिसरों को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी।

स्लोवाकिया-लिकटेंस्टीन से बड़े करार

पीएम मोदी ने दुनिया को दिया एआई डेमोक्रेसी' का मंत्र...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की अध्यक्षता में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' न केवल तकनीक बल्कि कूटनीति का भी एक बड़ा केंद्र बन गया है। इस शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ मुलाकातों का सिलसिला जारी रखा जिसमें एआई के लोकतंत्रीकरण और द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया गया। पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति, लिकटेंस्टीन के प्रिंस, श्रीलंका के राष्ट्रपति और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ताएं कीं। प्रधानमंत्री मोदी और स्लोवाकिया गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के बीच हुई मुलाकात बेहद खास रही। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और संस्कृति सहित द्विपक्षीय संबंधों के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की। दोनों देशों ने विशेष रूप से डिजिटल क्षेत्र में आपसी लाभ के लिए संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। नेताओं ने 'भारत-ईयू संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा 2030' को अपनाने से संबंधों में आई नई तेजी का भी स्वागत किया। समिट के दौरान तकनीक के मानवीय पक्ष पर जोर देते हुए स्लोवाकिया के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को एक सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि एआई को इस तरह से विकसित किया जाना

चाहिए कि इसका लाभ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को नहीं, बल्कि आम जनता को भी मिले। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि नवाचार, सुरक्षित तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में अकादमिक विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के माध्यम से गहरे सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। पीएम मोदी ने लिकटेंस्टीन के वंशानुगत राजकुमार, एलोइस फिलिप मारिया के साथ भी द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। इस वार्ता का मुख्य केंद्र भारत-ईएफटीए समझौते के तहत व्यापार, निवेश और एआई जैसी नई तकनीकों में सहयोग बढ़ाना था। इसके अलावा, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी मुलाकात की। यूएन प्रमुख के साथ वार्ता में वैश्विक विकास और विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय प्रगति पर चर्चा हुई जबकि श्रीलंकाई राष्ट्रपति के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर ध्यान दिया गया। यह समिट स्पष्ट करती है कि भारत न केवल एआई के क्षेत्र में नवाचार का नेतृत्व कर रहा है बल्कि सुरक्षित और समावेशी तकनीक के लिए दुनिया को एक मंच पर भी ला रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपटेक क्षेत्र के प्रमुख स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मुलाकात कर उभरती तकनीकों और नवाचार पर विस्तृत चर्चा की।

सरकार 'कंप्लीट एआई स्टैक' बनाने पर विचार में- जयंत चौधरी

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सरकार एक कंप्लीट एआई स्टैक विकसित करने पर विचार कर रही है, जो अनाम (अनोनिमाइज्ड) डेटा सेट्स पर आधारित होगा और शोधकर्ताओं तथा स्टार्टअप्स के लिए सुलभ बनाया जाएगा, ताकि नवाचार की अगली लहर को गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और डेटा तक सुरक्षित व जिम्मेदार पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे उभरती कंपनियां और शोध संस्थान उन्नत एआई समाधान विकसित कर सकें। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि एआई प्रणालियों के लिए एक ऑडिट ट्रेल मैकेनिज्म विकसित किया जाना चाहिए।

, जिससे एआई मॉडल के उपयोग, निर्णय प्रक्रिया और जवाबदेही को बेहतर ढंग से ट्रैक किया जा सके। चौधरी ने भविष्य में संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए नियंत्रक व महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं द्वारा एआई मॉडलों पर ऑडिट रिपोर्ट जारी किए जाने की संभावना भी जताई।

मैथिली ठाकुर का लालू पर प्रहार

लालू यादव को सत्ता का मोह और पुत्र प्रेम

पटना। बिहार विधानसभा में शिक्षा बजट पर चर्चा के दौरान बीजेपी विधायक मैथिली ठाकुर ने ऐसा भाषण दिया जिसने पूरे सदन का माहौल गर्मा दिया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत संस्कृत के श्लोक तमसो मा ज्योतिर्गमय से की और कहा कि यह पंक्ति उन्हें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ते बिहार की याद दिलाती है। उन्होंने पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि कभी ऐसा समय था जब महिलाएं घर से बाहर निकलने में भी डरती थीं। आज वही महिलाएं दरभंगा से पटना तक आत्मविश्वास के साथ सफर कर रही हैं। उनके इन शब्दों पर

सत्ता और विपक्ष के बीच जोरदार प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। मैथिली ठाकुर ने विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि क्या सबको वह दौर याद है जब बिहार को जंगलराज कहा जाता था।

कार में सवार सभी लोग अंबा जंगल गांव के निवासी थे

गुजरात के वलसाड में भीषण सड़क हादसा... पांच लोगों की मौके पर ही मौत,2 घायल.....

नई दिल्ली। गुजरात के वलसाड जिला अंतर्गत कपराडा तालुका में कुंभघाट के पास आज एक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। एक तेज रफ्तार ईको कार और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह धातु के ढेर में तब्दील हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। यह हादसा कपराडा-नानापोंधा राजमार्ग पर घटित हुआ। जानकारी के अनुसार कार में सवार सभी लोग अंबा जंगल गांव के निवासी थे और किसी निजी काम से कपराडा से नानापोंधा की ओर जा रहे थे। कुंभघाट के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृतकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की तफ्तीश शुरू कर दी है। इस दुर्घटना के कारण हाईवे

पर घंटों तक लंबा जाम लगा रहा, जिसे क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर सुचारू किया गया। सड़क दुर्घटनाओं का यह सिलसिला केवल गुजरात तक ही सीमित नहीं है। हाल में राजस्थान के अजमेर में भी एक भीषण हादसा देखने को मिला, जहां एक निजी बस और ट्रेलर की भिड़ंत में 4 लोगों की मौत हो गई और कई यात्री घायल हुए। इसी तरह उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेस-वे पर भी घने कोहरे और तेज रफ्तार के कारण कई वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें जान-माल का काफी नुकसान हुआ। वलसाड का यह कुंभघाट क्षेत्र अपने घुमावदार रास्तों के लिए जाना जाता है, जहां अक्सर तेज रफ्तार हादसों का सबब बनती है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे पहाड़ी और घुमावदार रास्तों पर गति सीमा का ध्यान रखें। इस घटना के बाद पूरे अंबा जंगल गांव में मातम पसरा हुआ है, क्योंकि एक ही झटके में कई परिवारों के चिराग बुझ गए हैं।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में जमी बर्फ पिघली

तारिक रहमान सरकार का फैसला वीजा सेवाएं फिर से होगा बहाल..

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ महीनों से जारी कूटनीतिक तनाव अब कम होता नजर आ रहा है। द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार का बड़ा संकेत देते हुए दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन ने भारतीय नागरिकों के लिए सभी वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। गौर करने वाली बात यह है कि ये सेवाएं पिछले करीब दो महीने से बंद थीं जिससे दोनों देशों के बीच आवाजाही और व्यापार पर गहरा असर पड़ा था। यह महत्वपूर्ण फैसला बांग्लादेश में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री के रूप में पद

संभालने के महज तीन दिन भीतर लिया गया है। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में यह कड़वाहट दिसंबर में उस समय बढ़ी थी, जब भारत-विरोधी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो गई थी। इस घटना के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और भारत विरोधी तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। स्थिति तब और बिगड़ गई जब वहां अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया और लिंचिंग की खबरें सामने आईं। इसी सुरक्षा और कूटनीतिक तनाव के चलते वीजा और वाणिज्य दूतावास सेवाएं रोक दी गई थीं। हालांकि, उस दौरान भी बिजनेस और वर्क वीजा पर पूरी तरह रोक नहीं थी लेकिन अब मेडिकल और पर्यटन सहित सभी श्रेणियों को फिर से शुरू कर दिया गया है। रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिशें केवल एक तरफ नहीं हैं।

सीएम मान को अस्पताल से मिली छुट्टी, चंडीगढ़ रिहायश के लिए हुए रवाना, 2 दिन पहले भर्ती हुए थे

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री मान को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जानकारी के मुताबिक अब वह सरकारी सीएम आवास चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। बताया जा रहा है कि अब उनकी सेहत में काफी सुधार हुआ है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह लुधियाना में किला रायपुर खेलों में शामिल हो सकते हैं। आज ही खेलों को समापन हो रहा है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मुख्यमंत्री मान को तबीयत खराब होने के बाद सोमवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। इसके बाद बुधवार को दिल्ली के पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया ने उनसे मुलाकात की थी।

राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ीं

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के बाद अब भिवंडी कोर्ट में होगी पेशी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की कानूनी मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होने के ठीक अगले दिन, यानी शनिवार 21 फरवरी को राहुल गांधी को महाराष्ट्र के ठाणे जिले की भिवंडी कोर्ट में हाजिर होना होगा। यह मामला साल 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई एक विवादित टिप्पणी से जुड़ा है। गांधी वर्तमान में इस

2014 के मानहानि मामले में पहले से ही जमानत पर चल रहे हैं, लेकिन अब एक अप्रत्याशित तकनीकी समस्या खड़ी हो गई है। दरअसल, जिस व्यक्ति ने अदालत में राहुल गांधी की जमानत ली थी, उस जमानतदार का हाल ही में निधन हो गया है। कानूनी नियमों के मुताबिक, जमानतदार की मृत्यु होने की स्थिति में आरोपी को अदालत के समक्ष एक नया जमानतदार पेश करना होता है और जमानत की औपचारिकताएं फिर से पूरी करनी होती हैं। इसी प्रक्रिया के तहत राहुल गांधी को शनिवार को भिवंडी कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर नया जमानतदार पेश करना होगा। यह पूरा विवाद करीब 12 साल पुराना है, जो 2014 के आम चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक चुनावी भाषण से शुरू हुआ था।

भारत मंडपम में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर काटा बवाल..

नई दिल्ली/ एजेंसी

एआई इंपैक्ट समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने शर्ट उतारकर विरोध जताया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई एक्सपो समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, करीब 10 युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शोर मचाते हुए भारत मंडपम के एक पवेलियन में पहुंच गए। बताया गया कि सभी कार्यकर्ता क्यूआर कोड के जरिए एंट्री लेकर अंदर दाखिल हुए थे। पवेलियन में पहुंचने के बाद उन्होंने नारे लगाए और टी-शर्ट उतारकर विरोध जताया। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कुल 5 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की पहचान की जा रही है। सभी को तिलक मार्ग थाने ले जाया गया है। पुलिस ने कहा है कि भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है। आपको बता दें कि यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ में भारत द्वारा आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, जिसमें रिकॉर्ड स्तर की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी दर्ज की गई है। इसमें 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 से ज्यादा वैश्विक

एआई विशेषज्ञ तथा उद्योग प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। नीति-निर्माताओं, प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं को एक साझा मंच पर लाकर यह आयोजन इंडिया एआई मिशन और डिजिटल इंडिया पहल के तहत वैश्विक एआई संवाद को ठोस और क्रियान्वयन योग्य विकास परिणामों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वे सफेद टी-शर्ट पहने या पकड़े हुए थे, जिन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं, तथा उन पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज़ कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टी-शर्ट भी उतार दी। उनके विरोध प्रदर्शन के चलते वहां अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। मौके पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद हॉल के अंदर सुरक्षा और कड़ी की जाएगी। यह विरोध प्रदर्शन कुछ ही मिनटों तक चला, जिसके बाद समूह को हॉल से बाहर निकाल दिया गया। इस घटना ने मेहमानों और अन्य आगंतुकों को हैरान कर दिया, क्योंकि 'एआई इम्पैक्ट समिट' के मद्देनजर यह अप्रत्याशित था। यह आयोजन 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में हो रहा है।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर भड़की बीजेपी राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया

भाजपा ने दिल्ली स्थित भारत मंडपम में एआई समिट के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की आलोचना की है। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाए कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी सांसद राहुल गांधी के इशारों पर कांग्रेस कार्यकर्ता समिट में गए और भारत का अपमान करने वाला कृत्य किया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि उसके लिए एआई मतलब एंटी-इंडिया है। यह आईएनसी (इंडियन नेशनल कांग्रेस) नहीं, बल्कि एएनसी (एंटी नेशनल कांग्रेस) है। शहजाद पूनावाला ने आगे कहा कि पूरे विश्व में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' की चर्चा हो रही है।

काफरमार (खरसिया, रायगढ़) में वन उपज आधारित 3 दिवसीय रैम प्रशिक्षण का सफल समापन

खरसिया/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में खरसिया विकासखंड के ग्राम काफरमार में आयोजित वन उपज आधारित सेक्टर स्पेसिफिक तीन दिवसीय रैम (क्रस्क्क) प्रशिक्षण का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण क्षेत्र के छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमियों को बाजार की समझ विकसित करने तथा उनके व्यवसाय को व्यवस्थित और लाभकारी तरीके से संचालित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वन्य उपज आधारित उत्पादों की पहचान, संग्रहण, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, गुणवत्ता सुधार तथा वैल्यू एडिशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही उद्यम संचालन, विपणन रणनीति, लागत निर्धारण और सरकारी योजनाओं से लाभ प्राप्त करने के तरीकों पर भी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। समापन समारोह में कृषि विस्तार अधिकारी रामकुमार पटेल, वन उपज समिति से उमेन सिंह राठिया, ग्राम काफरमार की सरपंच बेलमती राठिया, सरपंच प्रतिनिधि रोशन सिंह तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के अधिकारी देवेंद्र साबले एवं प्रशिक्षक भानुदास विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें वन्य उपज उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग, ब्रांडिंग और वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान देने की प्रेरणा दी।अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने, युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कृषि विस्तार अधिकारी रामकुमार पटेल ने अपने उद्बोधन में वर्तमान में संचालित योजनाओं की जानकारी देते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण वनोपज पर कार्य करने वाले सुक्ष्म उद्यमियों की आय सृजन क्षमता में गुणोत्तर वृद्धि करने में सक्षम है। प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा यह प्रशिक्षण बहुत ही लाभदायक है। वही वन विभाग द्वारा वनोपज पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए उमेन सिंह ने प्रतिभागियों से आगे आकर इस क्षेत्र में और अधिक कार्य करने एवं वन्य वस्तुओं के संग्रहण पर चर्चा की। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से देवेंद्र साबले एवं प्रशिक्षक भानु दास ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया।

पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा पहुंचे कुम्हार समाज के वार्षिक सम्मेलन में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा संभागीय शिवशक्ति झेरिया कुम्हार समाज के वार्षिक महाअधिवेशन में सोमनाथ धाम ग्राम पंचायत लखना जिला रायपुर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक ने कुम्हार समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुम्हार समाज का योगदान भारत निर्माण में बहुत ही अमूल्य रहा है समाज के लोगों ने पूरे भारतवर्ष में अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी हैं और यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि कुम्हार समाज के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक महाअधिवेशन का आयोजन किया गया है मैं समाज के सभी प्रबुद्ध जनों का साधुवाद करता हूं जिन्होंने इस महासम्मेलन में मुझे भी शामिल होने का अवसर प्रदान किया है मैं समाज के लोगों को सिर्फ यही कहना चाहूंगा कि आज सभी समाज शिक्षा को पहली प्राथमिकता दे रहे हैं और उसमें भी महिला शिक्षा की आवश्यकता सभी समाजों में सर्वप्रथम है मैं कुम्हार समाज से भी आवाहन करूंगा कि वे महिला शिक्षा और समाज में बच्चों को अच्छी शिक्षा को पहली प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करें आज इस सम्मेलन में शामिल होकर ऐसा लग रहा है जैसे मैं खुद इस समाज का हिस्सा हूं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष शुभम वर्मा तथा ग्राम पंचायत लखन की सरपंच श्रीमती सिया देवी साहू थे ।

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के नेतृत्व में बेमेतरा पुलिस द्वारा गुमटी, ठेला, होटल, ढाबा एवं वाहनों की सघन जांच कार्यवाही लगातार जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जिले में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के नेतृत्व में बेमेतरा पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत गुमटी, ठेला, होटल, ढाबा एवं वाहनों की सघन जांच की जा रही है। साथ ही अवैध शराब, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गुंडा-बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियों, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

माइनर एक्ट के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं बाउंड ओवर की कार्रवाई भी निरंतर की जा रही है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौक-चौराहों पर पेट्रोलिंग पार्टियां सक्रिय रूप से गश्त कर रही हैं तथा संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की जांच की जा रही है। उक्त अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक भानुप्रताप पटेल, छन्नूलाल ध्रुव, रेशम लाल भास्कर सहित पुलिस टीम द्वारा गुमटी, ठेला, होटल, ढाबा एवं वाहनों की सघन जांच और भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों एवं सुनसान क्षेत्रों में विशेष चेकिंग की जा रही है। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने, मैदान, पार्क एवं चौक-चौराहों में बैठकर शराब पीने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही जमावड़ा लगाकर नशा करने, गुटबाजी/अड्डेबाजी करने वाले व्यक्तियों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है। बेमेतरा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

शासकीय प्राथमिक शाला सेमरिया में रखा गया 'न्योता भोजन' का भव्य आयोजन

बेमेतरा/सेमरिया/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक शाला सेमरिया में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। विद्यालय की सहायक शिक्षिका यशोमती डोंगरे ने अपने पति मनोज डोंगरे के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ के लिए ÷न्योता भोजन÷ का विशेष आयोजन किया।इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं संकुल के शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य फूलवती नेताम, उप प्राचार्य कमल दास टंडन, व्याख्याता खीलेंद्र कुमार केवट, पूजा भावराजू, रमा निराला, श्वेता खोबरागड़े, अभिलाष जैन, विज्ञान सहायक रवि शंकर साहू, विजय कश्यप सहित पूर्व माध्यमिक शाला से कृष्ण कुमार सोनवानी, रमेश साहू, कोमल वर्मा तथा प्राथमिक शाला से प्रधान पाठक संतराम नेताम, सहायक शिक्षक कैलाश साहू, संतोष वर्मा एवं भूपेंद्र कुमार मंडले सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस विशेष आयोजन में विद्यार्थियों के लिए पूर्ण ÷न्योता भोजन÷ की व्यवस्था की गई, जिसमें स्वादिष्ट खीर, पूरी, चावल, दाल, पापड़ एवं सब्जी जैसे व्यंजन सम्मिलित थे। बच्चों ने बड़े उत्साह और आनंद के साथ भोजन का स्वाद लिया। विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला। संकुल प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यालय और समाज के बीच सकारात्मक संबंध मजबूत होते हैं तथा बच्चों में अपनत्व और संस्कार की भावना विकसित होती है। यह आयोजन न केवल जन्मदिवस का उत्सव था, बल्कि समाज के प्रति सहयोग और संवेदनशीलता का एक सुंदर उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

24 फरवरी को बेमेतरा में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा द्वारा दिनांक 24 फरवरी 2026, दिन मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक संयुक्त जिला कार्यालय परिसर, बेमेतरा के कक्ष क्रमांक 64 में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

उक्त प्लेसमेंट कैम्प में निजी संस्था क्क्र्य्रु.त्रक्ष्श्रश्ज्ञश्ष्ठ॥ रुज्ञष्ठ, टेलीबांधा, रायपुर द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। संस्था द्वारा सेल्स ऑफिसर के 35 पदों पर नियुक्ति की जाएगी, जिसके लिए बी.एससी. एग्रीकल्चर की शैक्षणिक योग्यता निर्धारित है। इन पदों के लिए वेतनमान 14,000 रुपये से 25,000 रुपये प्रति माह निर्धारित किया गया है तथा आयु सीमा 20 से 36 वर्ष रखी गई है। इसके अतिरिक्त सेल्स रिप्रेजेंटेटिव के 20 पदों पर भी भर्ती की जाएगी, जिनका वेतनमान 12,000 रुपये से 24,000 रुपये प्रति माह रहेगा।जिला रोजगार कार्यालय केवल नियोजक (निजी संस्था) एवं आवेदक के मध्य एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। नियुक्ति की समस्त प्रक्रिया, कार्य की प्रकृति, वेतन तथा अन्य शर्तें संबंधित निजी संस्था द्वारा निर्धारित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक अथवा उनके प्रतिनिधि से प्राप्त की जा सकती है।अधिसूचित रिक्त पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र के साथ दिनांक 24 फरवरी 2026 को निर्धारित समय पर संयुक्त जिला कार्यालय परिसर, बेमेतरा के कक्ष क्रमांक 64 में उपस्थित हो सकते हैं।

कुसमी नगर पंचायत में पाइपलाइन निर्माण पर सवाल, बिना बेस मटेरियल के बिछाई जा रही पाइप, गुणवत्ता पर उठे प्रश्नः इंजीनियर नदारद, स्थानीय मिस्त्री के भरोसे लाखों का काम

कुसमी /मूक पत्रिका

नगर पंचायत कुसमी क्षेत्र में इन दिनों पाइपलाइन बिछाने का कार्य जारी है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। तहसील कार्यालय से सटे एरिकेशन सीसी रोड से नीचे तक भाजपा नेता (ठेकेदार) द्वारा लाखों रुपये की लागत से कराया जा रहा यह कार्य कथित रूप से नियमों की अनदेखी के साथ किया जा रहा है।स्थानीय लोगों का आरोप है, कि पाइपलाइन डालने से पहले गड्ढा तो खोदा जा रहा है, लेकिन पाइप के नीचे निर्धारित बेस मटेरियल जैसे रेत या मुरम नहीं डाली जा रही है। निर्माण मानकों के अनुसार पाइप के नीचे समतल और मजबूत आधार आवश्यक होता है, जिससे भविष्य में पाइप के धंसने, टूटने या लीकेज की संभावना कम रहे। नगरवासियों का कहना है, कि बिना उचित सपोर्ट के पाइपलाइन बारिश या जमीन धंसने की स्थिति में क्षतिग्रस्त हो सकती है।

नगर के लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यस्थल पर न तो नगर पंचायत का कोई इंजीनियर मौजूद है, और न ही तकनीकी निगरानी की व्यवस्था दिख रही है। स्थानीय स्तर पर प्लंबर मिस्त्री से कार्य कराया जा रहा है, जिससे गुणवत्ता पर और सवाल उठ रहे हैं।साथ ही यह भी आरोप है, कि जिस गुणवत्ता और मोटाई की पाइप स्वीकृत है, उसके स्थान पर कम क्षमता वाली 4 इंच पाइप का उपयोग किया जा रहा है, जबकि केवल नाम मात्र के 2 पाइप ही स्थल पर रखे गए हैं। इससे भविष्य में पाइपलाइन के टिकाऊपन पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है।जेसीबी मशीन से खुदाई के दौरान सीसी सड़क को भी क्षति पहुंचने की बात सामने आई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है, कि कार्य मनमाने ढंग से किया जा रहा है और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। इस संबंध में जब नगर पंचायत अधिकारी (सीएमओ) से जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उनका कहना था कि कार्य स्वीकृत एस्टीमेट के अनुसार ही कराया जा रहा है। हालांकि जब मौके की वास्तविक स्थिति की जानकारी दी गई, तो उन्होंने विस्तृत जानकारी देने में असमर्थता जताते हुए नगर पंचायत कार्यालय में आवेदन देकर जानकारी लेने की बात कही।अब सवाल यह उठता है कि आखिर गुणवत्ता की निगरानी कौन कर रहा है? क्या लाखों रुपये की इस परियोजना में मानकों से समझौता किया जा रहा है? नगरवासियों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी समीक्षा कराने की मांग की है।

मिडिल स्कूल धमनी में विदाई समारोह का हुआ भव्य आयोजन

परीक्षा को भयमुक्त एवं तनावमुक्त रखना आवश्यक : जगजीवन जांगड़े

हसौद/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला धमनी में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विदाई समारोह का आयोजन किया गया द्य मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण ज्ञान दीप से पुरस्कृत नवाचारी शिक्षक जगजीवन प्रसाद जांगड़े जी के कुशल नेतृत्व में आज 19 फरवरी 2026 को कक्षा छठवीं ,सातवीं के विद्यार्थियों के द्वारा आठवीं बच्चों के लिए फेयर वेल रखा गया

इन छात्रों की विशेष योगदान रहा- आरुषि कोयल, नेहा,सुधा बंजारे,प्रतिव्या खूंटे, पीहू मधुकर हेमा महंत मनीष,शिवम्,साहिल,आदि बच्चो के द्वारा कक्षा आठवीं के बच्चों को वेलकम करते स्टेज तक लाए तत्पश्चात सभी शिक्षकों के द्वारा माता सावित्रीबाई फुले व सरस्वती माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर विदाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया बारी-बारी से छठवीं व सातवीं के विद्यार्थियों के द्वारा आठवीं के सभी छात्रों को तिलक, व बेच लगाकर आत्मीय स्वागत कर कलम उपहार भेंट कर अभिनंदन किए

शालेय परिवार को फोटो युक्त फ्रेम भेंट किए-

प्रधान पाठक टिकेश्वर प्रसाद दुबे ने कहा उद्बोधन स्वरूप बच्चो को अच्छी लगन के साथ पढ़ाई करने एवं ईमानदारी से अपनी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा तभी सफलता प्राप्त कर सकते हैं आगे भविष्य में प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो पाएंगे

वरिष्ठ शिक्षक जगजीवन प्रसाद जांगड़े ने बताया कि- बिना लक्ष्य के कोई शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकता डॉ.ए पी जे अब्दुल कलाम की कही गई बातें बताये

सपने ओ नहीं होते जो नींद में देखे जाते हैं , सपने तो ओ होते है जो आपको सोने नहीं देते विदाई का मतलब सिर्फ कक्षा से अलग होना है न कि विद्यालय से सभी बच्चों को मेहनत कर अच्छे अंक लाकर अपने शिक्षक और माता पिता का नाम रोशन करने की बात कही, शिक्षक मनीष दास बैरागी ने उद्बोधन में सभी बच्चों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए तथा धैर्य और साहस व ईमानदारी के साथ परीक्षा की तैयारी करने से सफलता जरूर मिलती है आगे कक्षाओं में और कठिनाई इससे अधिक हो सकती है इसके लिए तैयार रहे जब तक आप दृढ़ संकल्प होकर अपने शिक्षा को एक प्रतिबिंब बना लो अपनी गोल तैयार कर लो सफलता आपकी कदम चूमेगी ,डटकर संघर्ष करना ,परीक्षा को भयमुक्त बनाए,तनाव मुक्त रखे परीक्षा का समय आप सभी का गोल हो इसी के साथ अच्छे से तैयारी करने की बात कही

लक्ष्य न ओझल होने पाएं
कदम मिलाकर चल
मंजिल मिलेगी आज नहीं तो कल

खुशी,सिमरन, दिव्या को स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2026 चयनित - कार्यक्रम में गेम भी कराए जिसमें बच्चो के द्वारा अपने मन से एक चिट्ठा निकालते और चिट्ठा निकालकर उसके बारे में गाने पर नृत्य ,कविता,सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न और अपना अनुभव शेयर करने का अवसर प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम के अंतिम में केक काटकर विदाई समारोह कार्यक्रम का लुप्त उठाए सभी बच्चों को केक,मिक्चर,बिस्किट वितरण किया गया द्य कार्यक्रम का सफल संचालन प्रतिव्या खूंटे सातवीं एवं पीहू मधुकर कक्षा छठवीं द्वारा किया गया द्य कार्यक्रम में शिक्षक संजय कुमार तंजय,हेरोद कुमार भारद्वाज की विशेष उपस्थिति रही ।इस अवसर पर कक्षा छठवीं,सातवीं के सभी का विशेष योगदान रहा

कथा के सातवें दिवस सुदामा चरित्र कि कथा सुनकर भावुक हुए श्रोता,,ईश्वर प्राप्ति बाह्य प्रदर्शन से नहीं, अंतर्मन की श्रद्धा और साधना से संभव है स्वामी,,, आत्मानंद गिरी जी महाराज

स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज,,,जूना अखाड़ा के दिव्य दर्शन के लिए दूर दराज से आ रहे भक्त

बेरला/बेमेतरा/मूक पत्रिका

समीपस्थ ग्राम देवादा में स्व. संदीप वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पिता रामखिलावन वर्मा एवं समस्त परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के छठवें दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कथा पांडाल में भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और धर्मचर्चा के साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।कथा व्यास के रूप में पधारे स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज (पंचदश नाम जूना अखाड़ा) ने श्री सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष के प्रसंगों का सरस एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर प्राप्ति बाह्य प्रदर्शन से नहीं, अंतर्मन की श्रद्धा और साधना से संभव है। उन्होंने कहा कि जब बिंदु सिंधु में मिल जाता है तो उसका अलग अस्तित्व नहीं रहता–उसी प्रकार मनुष्य जब ईश्वर में लीन होता है, तब अहंकार समाप्त हो जाता है। अपने प्रवचन में स्वामी जी ने धर्म के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू कोई व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने चरित्र निर्माण को जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि व्यक्ति का वास्तविक परिवर्तन पद या व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उसके आचरण और चरित्र से होता है। उन्होंने समाज में नैतिकता, सेवा और करुणा की आवश्यकता पर जोर देते हुए गौसेवा को कल्युग में मोक्ष का सरल मार्ग बताया। स्वामी जी के शब्दों में–÷गौ माता में साक्षात लक्ष्मी का निवास है, प्रत्येक घर में गौपालन से समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।÷इस अवसर पर मुख्य यजमान सुनील वर्मा, रामखिलावन वर्मा, अहिल्या वर्मा सहित परिवारजनों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के अध्यक्ष देवलाल सिंहा, रामकुमार शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, संत वर्मा, घनश्याम साहू, चुरामन साहू सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बनने को अग्रसर – किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने दी मुख्यमंत्री साय को जन्मदिन की बधाई

रायपुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन को भाजपा परिवार द्वारा सेवा-सुशासन-संकल्प दिवस मनाने का आह्वान करते हुए कहा कि श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकसित राज्य बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। आज प्रदेश का हर वर्ग किसान, महिला, युवा, सभी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

श्री देव ने कहा कि कल 21 फरवरी को मुख्यमंत्री साय का 62वां जन्मदिन है जिसको लेकर भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री साय के जन्मदिन को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया है। बीते शुक्रवार को मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में बस्तर लाल आतंक से मुक्त हुआ है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री साय ने कई बड़े-बड़े निर्णय लिए हैं, जिसका लाभ आज प्रदेश के सभी वर्ग के लोगों को मिल रहा है। सेवा-सुशासन-गरीब कल्याण के लिए लगातार मुख्यमंत्री साय कार्य कर रहे है। श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को एक कुशल नेतृत्व मिला है जिसका लाभ प्रदेश को मिल रहा है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जन सेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करते है। मुख्यमंत्री साय आज छत्तीसगढ़ को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रहे हैं।

नवीन तेंदूपत्ता नीति पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, बूटा कटाई, संग्रहण और अग्नि सुरक्षा पर साफनिर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। तेंदूपत्ता सीजन 2026 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बांसागार डिपो में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस बार विभाग की कोशिश है कि काम समय पर, व्यवस्थित और पूरी सावधानी के साथ हो।कार्यशाला में डीएफओ एवं प्रबंध संचालक आरके जांगड़े, जिला यूनियन के अध्यक्ष और संचालक मंडल के सदस्य, उपवनमण्डलाधिकारी, परिक्षेत्र अधिकारी, इंद्रावती टाइगर रिजर्व और वनमण्डल के अधिकारी-कर्मचारी, प्रबंधक और फड़मुंशी शामिल हुए।

पहले पूरी तैयारी, फिर बूटा कटाई –आरके जांगड़े ने कहा कि शाखकर्तन (बूटा कटाई) शुरू करने से पहले जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। फड़ का सही चयन, जीपीएस नंबर दर्ज करना, स्थल की सफाई और रूट प्लान पहले से तैयार रहे। स्थानीय पंच या सरपंच के मोबाइल नंबर और वाहन मालिकों की जानकारी रिकॉर्ड में रखने पर भी जोर दिया गया, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत समन्वय हो सके।

उन्होंने बोराभर्ती गैंग को प्रशिक्षण देने और वैज्ञानिक तरीके से बूटा कटाई करने की बात कही। कटे हुए बुटों को बेतरतीब छोड़ने के बजाय थोड़ी दूरी पर व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए, जिससे आग फैलने का खतरा कम हो।

अनुभव साझा, समस्याओं पर चर्चा –जिला यूनियन के अध्यक्ष सीताराम मांझी और संचालक मंडल के सदस्यों ने संग्रहण के दौरान आने वाली दिक्कतों पर अपने अनुभव साझा किए। सुझाव दिए गए कि जमीनी स्तर पर समन्वय मजबूत रहे तो कई समस्याएं पहले ही सुलझाई जा सकती हैं।एसडीओ आवापल्ली प्रकाश कुमार नेताम ने पिछले वर्ष के संग्रहण कार्य में आई चुनौतियों का जिक्र किया और सुधार के बिंदु बताए। एसडीओ भोपालपटनम नीतिश रावटे ने शाखकर्तन से लेकर स्थायी गोदाम में भंडारण तक की प्रक्रिया विस्तार से समझाई।

अग्नि सुरक्षा पर विशेष जोर –एसडीओ बीजापुर देवेन्द्र गौड़ ने कहा कि तेंदूपत्ता सीजन में आग का खतरा बना रहता है, इसलिए सतर्कता सबसे जरूरी है। छोटी सी लापरवाही भी बड़े नुकसान में बदल सकती है। कार्यशाला के अंत में अधिकारियों और फड़मुंशियों ने मिलकर यह तय किया कि इस बार बेहतर तालमेल के साथ काम किया जाएगा, ताकि तेंदूपत्ता सीजन सुरक्षित और सफल रहे।

आईजीओटी-कर्मयोगी' पर आधारित सम्भाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह वर्चुअल कार्यशाला में हुए शामिल

कांकेर/मूक पत्रिका

भारत सरकार की वेबसाइट में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके लिए इंटिग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आई गॉट- कर्मयोगी) पर आधारित ऑनलाइन कार्यशाला का संभाग स्तरीय आयोजन आज सुबह 11 बजे किया गया।

जिले के स्वान कक्ष में उपस्थित बस्तर संभाग के सम्भागायुक्त डोमन सिंह के निर्देशानुसार सम्भाग के सभी सातों जिलों के अधिकारियों ने वर्चुअल वर्कशॉप में हिस्सा लिया। इस दौरान कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर भी उपस्थित थे। वर्चुअल वर्कशॉप में मास्टर ट्रेनर अंजू सिंह ने पीपीटी का स्क्रीन शेयर करते हुए उक्त वेबसाइट की तकनीकी पहलुओं की क्रमवार जानकारी दी तथा पंजीयन करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत के सी.ई.ओ. हरेश मण्डावी तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कांकेर अरूण वर्मा भी स्वान कक्ष में मौजूद थे।

कंगोली में पांच दिवसीय योग उत्सव 2026 संपन्न

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कंगोली में नियमित योग कक्षा द्वारा, पतंजलि योग समिति के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय योग उत्सव का समापन विश्राम दिवस के साथ किया गया। प्रातः मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया और पतंजलि परिवार को शुभेच्छा दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जगदलपुर के महापौर संजय पांडे एवं विशिष्ट अतिथि राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा उपस्थित रहे। ज्ञात हो की पिछले वर्ष 15 स्थानों में 15 जगहो में विराट पतंजलि इंटीग्रेटेड योग शिविरों का आयोजन हीट बस्तर फिट बस्तर के तर्ज पर किया गया था। जिसे नगर के सभी प्रमुख समाज संगठन और जिला व पुलिस प्रशासन ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। इस 15 स्थानो में हजारों हजार लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। पतंजलि नियमित योग कक्षा कंगोली की शुरुआत इसी 15 स्थानो में से एक है जिसकी आज एक वर्ष अनवरत निरंतर नियमित योग सत्रों का संचालन चल रहा है। इसकी प्रथम वर्षगांठ के रूप में पांच दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर का समापन कंगोली साधक भाई बहनों द्वारा किया जा रहा है। उत्सव का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस में स्वस्थ जीवन शैली, मानसिक शांति और शारीरिक स्फूर्ति का प्रसार करना रहा। कार्यक्रम का संचालन कक्षा संचालक बृजलाल नागवानी ने किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगाभ्यासों तथा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी। इस योग उत्सव में विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगाभ्यासों और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों से अवगत कराया गया जिसमें शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, रोग निवारण, स्वास्थ्य परीक्षण, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आहार एवं पोषण रहे। विशेष साधकों के रूप में निर्मल तिवारी, संजीव विश्वास, अजय मंडल, लक्ष्मी मंडल, मीना नेताम, अनीता मिश्रा, दीपा नागवानी, राजकुमारी देवांगन सहित अनेक साधक उपस्थित रहे।

अफसरों की चुप्पी या मिलीभगत? सौर्य सुजला योजना के सोलर पैनलों में बड़ा खेल!

जगदलपुर/मूक पत्रिका

सब्सिडी वाले सोल पैनल उड़ीसा भेजे गए, ज़रूरतमंद किसान वंचित – दस्तावेज़, नियम और शासन के निर्देश सब दरकिनार

रायपुर/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सौर्य सुजला योजना के तहत किसानों को राहत और सस्ती ऊर्जा देने के उद्देश्य से वितरित किए गए सोलर पैनलों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामला तब और गरमा गया जब बस्तर क्षेत्र से जुड़े सोलर पैनलों की बिक्री उड़ीसा के किसानों को 30 हजार से 70 हजार रुपये तक में किए जाने की बात सामने आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के किसानों के नाम पर स्वीकृत कृषि यंत्र एवं सोलर पैनल कथित रूप से उड़ीसा के किसानों को बेचे गए। जांच टीम जब उड़ीसा के गांवों में पहुंची और किसानों से सीधे बातचीत की, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। किसानों ने स्पष्ट रूप से बताया कि सोलर पैनल दिलाने के नाम पर उनसे 30 हजार, 40 हजार और कहीं-कहीं 70 हजार रुपये तक वसूले गए। किसानों का आरोप है कि यह योजना सब्सिडी आधारित है और सरकार द्वारा राहत देने के उद्देश्य से चलाई जा रही थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर अधिकारियों और कथित दलालों की मिलीभगत से इसे कमाई का जरिया बना दिया गया। ग्रामीणों ने कहा कि बिना ÷सेटिंग÷ के आवेदन आगे नहीं बढ़ता था और रकम दिए बिना सोलर पैनल उपलब्ध नहीं कराया जाता था। जांच के दौरान कई किसानों ने साफशब्दों में कहा–÷अगर हमारा पैसा वापस कर दिया जाए तो सोलर पैनल वापस ले जाएं।÷यह बयान पूरे मामले की गंभीरता को उजागर करता है। ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि खबर प्रकाशित होने और शिकायत सामने आने के बावजूद संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है, जिससे संदेह और गहराता जा रहा है।स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया है कि किसानों से वसूली गई रकम का जिम्मेदार कौन है? किसके संरक्षण में यह खेल चलता रहा? यदि जांच के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो यह साफ संकेत होगा कि अधिकारियों और दलालों के गठजोड़ को कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है।फिलहाल किसानों की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। वे मांग कर रहे हैं कि उनसे ली गई रकम वापस दिलाई जाए और दोषी अधिकारियों व दलालों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाए। समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो यह मामला व्यापक जनआक्रोश का रूप ले सकता है।

कोसीर क्लस्टर पीआरपी भारती धीवर को हटाने की मांग को लेकर धरने में बैठी विधायक

सारंगढ़ जनपद पंचायत के सामने धरना में बैठे सारंगढ़ विधायक व जनपद पंचायत सदस्य जनपद पंचायत में हाहाकार

जनपद पंचायत सदस्यों का हल्ला बोल सभी ने एक स्वर में बोला पीआरपी हटाओ महिला बचाओ

सारंगढ़ :- जपं के सामने जन हित के मुद्दों व प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर भारी गहमागहमी रही। कोसीर क्लस्टर के पीआरपी. को पद से हटाने की मांग को लेकर जनपद अध्यक्ष श्रीमती ममता राजीव सिंह, विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े, पूर्व जिलाध्यक्ष कांग्रेस अरुण मालाकार व जपं सदस्यों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया । इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं व ग्रामीणों ने हिस्सा लेकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि कोसीर क्लस्टर में कार्यरत पीआरपी की कार्यप्रणाली को लेकर लंबे समय से असंतोष व्याप्त था। क्षेत्र के विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता की कमी का आरोप।जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही तय हो ताकि योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचें जनता की शिकायतों को नजर अंदाज किए जाने के कारण नेताओं ने आक्रोशित होकर यह कदम उठाया । प्रदर्शन की खास बात यह रही कि ङ्क इसमें महिला शक्ति की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। धरना स्थल पर मौजूद बैनर पर स्पष्ट लिखा था महिला के सम्मान में, सभी जनपद सदस्य मैदान में। महिलाओं ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा और कहा कि जब तक उचित कार्रवाई नहीं होती, वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए पीछे नहीं हटेंगी। प्रदर्शन में शामिल हुए विधायक उत्तरी जांगड़े ने सभा को संबोधित करते हुए कहा ङ्क क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह आंदोलन किया जा रहा है । हम भ्रष्टाचार या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे। जनहित से जुड़े मुद्दों पर हम सभी एकजुट हैं और क्षेत्रवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रति बद्ध रहेंगे, धरना प्रदर्शन के अंत में प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा गया । जन प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि- यदि जल्द ही कोसीर क्लस्टर के पीआरपी को नहीं हटाया गया व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले समय में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा ।

संपादकीय

दुनिया में अब एआई अगला दशक तय करेगा भविष्य, अवसर भी, चेतावनी भी

हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। शिक्षा जगत से लेकर रक्षा और कारोबार के विभिन्न क्षेत्र में नए स्तर पर इसका प्रयोग हो रहा है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। इसे समय के साथ कदम मिला कर चलने और विकास के परिप्रेक्ष्य में जरूरी माना जा रहा है तथा सभी देश एआइ के सकारात्मक उपयोग को लेकर सक्रिय दिख रहे हैं। भारत की इसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। गौरतलब है कि नई दिल्ली में सोमवार से पांच दिनों का एआइ शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है, जिसमें कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष से लेकर एआइ कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य एआइ के व्यापक तंत्र पर चर्चा के साथ-साथ आम लोगों की जिंदगी पर इसके सीधे असर और फायदों के बारे में जागरूकता फैलाना है। दरअसल, तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई। हाल के दिनों में जब से एआइ के बढ़ते दायरे और इसके असर की बात होने लगी है, तब से इसे भविष्य में नौकरियों का सृजन करने का औजार भी बताया गया है। दूसरी ओर, एआइ के फैलते पांव के समांतर रोजगार पर इसके व्यापक प्रभाव और खतरों को लेकर आशंकाएं भी जताई गई हैं। दिल्ली के सम्मेलन में एक उद्देश्य एआइ से रोजगार, आम लोगों की जिंदगी पर पड़ने वाले असर और उसके खतरों को कम करने के लिए ठोस उपायों तथा प्रयासों पर भी चर्चा करना है। यह जगजाहिर है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दायरा कितने बड़े क्षेत्र में फैल चुका है। हाथ में मौजूद स्मार्टफोन अब केवल तस्वीरें संपादित करके सोशल मीडिया के मंचों पर सुर्खियां हासिल करने का जरिया भर नहीं है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। भारतीय कृषि व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले यूरिया उर्वरक को लेकर केंद्र सरकार के हालिया निर्णय ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आदेश के तहत यूरिया की बोरी का वजन 50 किलो से घटा कर 40 किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही यूरिया में नाइट्रोजन की मात्रा भी 46 से घटा कर 36 फीसद कर दी गई है। सरकार इसे सुधारात्मक कदम के रूप में पेश कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस निर्णय ने किसानों की लागत बढ़ा दी है और कृषि उत्पादन तथा देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यूरिया खेती में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला नाइट्रोजन उर्वरक है। गेहूं, धान और मक्का जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलों की उपज काफी हद तक नाइट्रोजन की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यह पौधों की बढ़वार, पत्तियों के विकास और दाने भरने की प्रक्रिया के लिए अनिवार्य तत्त्व है।

यूरिया नीति में बदलाव, बढ़ती लागत, घटती पैदावार और खाद्य सुरक्षा पर संकट, क्या फैसला देश की परीक्षा है

(देवेंद्रराज सुथार)

ऐसे में यूरिया के स्वरूप में किया गया कोई भी बदलाव सीधे तौर पर फसलों की पैदावार, किसानों की आय और अंतत: उपभोक्ताओं की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सरकार के नए फैसले के बाद यूरिया की एक बोरी में उपलब्ध नाइट्रोजन की मात्रा में भारी गिरावट आई है। पहले 50 किलो की बोरी में 46 फीसद नाइट्रोजन के हिसाब से लगभग 23 किलो नाइट्रोजन उपलब्ध होती थी। अब 40 किलो की बोरी में 36 फीसद नाइट्रोजन के साथ यह मात्रा घट कर केवल 14.4 किलो रह गई है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि किसान को उतनी ही नाइट्रोजन प्राप्त करने के लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक यूरिया खरीदना पड़ेगा। अगर मौजूदा 270 रुपए प्रति बोरी की कीमत को आधार बनाया जाए, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। पहले जहां किसानों को प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की जरूरत पूरी करने के लिए लगभग साढ़े सत्रह सौ रुपए खर्च करने पड़ते थे, अब वही जरूरत पूरी करने के लिए 2835 रुपए खर्च करने होंगे। यानी बिना दाम बढ़ाए ही किसानों पर करीब 37 फीसद अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है। यह बोझ खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद मुश्किल भरा साबित हो सकता है।

देश में लगभग एक करोड़ साठ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इसमें से करीब 65 फीसद भूमि की सिंचाई वर्षा पर आधारित है। यहां दलहन, तिलहन और बागवानी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। इन फसलों में यूरिया की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और कई मामलों में एक टन प्रति हेक्टेयर से भी कम रहती है।

लेकिन शेष लगभग पचास लाख हेक्टेयर सिंचित भूमि पर गेहूं और धान जैसी उच्च उत्पादकता वाली फसलें ली जाती हैं, जिनके लिए नाइट्रोजन की भारी मात्रा की आवश्यकता होती है। मौजूदा कृषि सिफारिशों के अनुसार गेहूं और धान जैसी फसलों के लिए प्रति हेक्टेयर सालाना लगभग तीन सौ किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है।

जबकि 46 फीसद नाइट्रोजन वाले यूरिया के हिसाब से यह आवश्यकता लगभग 620 किलो यूरिया से पूरी हो जाती थी। इसी आधार पर देश के सिंचित क्षेत्रों के लिए सालाना करीब तीन करोड़ बीस लाख मीट्रिक टन यूरिया की जरूरत आंकी जाती है।

जब कुल खपत चार करोड़ मीट्रिक टन से अधिक है, तो सवाल उठता है कि बाकी यूरिया कहां जा रहा है? इस सवाल का जवाब देश में लंबे समय से चले आ रहे यूरिया के दुरुपयोग में छिपा है।

यह किसी से छिपा नहीं है कि सबसिडी वाले यूरिया का एक बड़ा हिस्सा कृषि के बजाय औद्योगिक उपयोग में चला जाता है। अनुमान है कि कुल

सबसिडी वाले यूरिया का लगभग एक-तिहाई, यानी एक करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फैक्टरियों में खप जाता है।

केंद्रीय बजट 2022-23 में यूरिया में सबसिडी के लिए एक लाख 32 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। यह राशि निश्चित रूप से सरकारी खजाने पर भारी बोझ डालती है। मगर सवाल यह है कि इस बोझ को कम करने की कीमत किसान क्यों चुकाए।

यदि आपूर्ति शृंखला की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाती, तो सबसिडी का बड़ा हिस्सा बचाया जा सकता था। इसके बजाय सरकार ने ऐसा कदम उठाया है, जिससे ईमानदार किसान ही सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

इस नीति का एक और गंभीर पहलू है यूरिया की उपलब्धता और आपूर्ति संकट। पहले ही देश के कई हिस्सों में किसान बुआई के समय घंटों लंबी कतारों में लग कर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं। कई बार समय पर पूरी मात्रा नहीं मिल पाती। इससे खाद डालने का सही समय निकल जाता है।

अब जब प्रति हेक्टेयर जरूरत पूरी करने के लिए अधिक बोरियां खरीदनी पड़ेंगी, तो यह संकट और गहराने की आशंका है। इसका सीधा असर फसलों के विकास और अंतत: पैदावार पर पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुसार गेहूं, धान और मक्का जैसी फसलों की पूरी पैदावार के लिए प्रति हेक्टेयर 120 से 150 किलो नाइट्रोजन की जरूरत होती है। पहले किसानों को यह मात्रा प्राप्त करने के लिए 50 किलो वाले यूरिया की लगभग सात बोरियां डालनी पड़ती थी।

अब वही मात्रा पाने के लिए उसे दस से ग्यारह बोरी यूरिया की जरूरत होगी। इससे न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि मिट्टी के संतुलन और पर्यावरण पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

यह संकट केवल किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध देश की खाद्य सुरक्षा से भी है। पिछले तीन वर्षों में गेहूं के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद सरकारी खरीद अपने लक्ष्य से काफी पीछे रही है।

यह स्थिति तब है, जब सरकार पैदावार के बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस विरोधाभास से संकेत मिलता है कि देश में गेहूं का वास्तविक उत्पादन और घरेलू खपत लगभग बराबर स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि यूरिया की कमी या महंगाई के कारण पैदावार में गिरावट आती है, तो देश को अनाज आयात पर निर्भर होना पड़ सकता है।

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और सामाजिक स्थिरता का आधार होती है। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में अनाज उत्पादन में थोड़ी-सी भी कमी व्यापक प्रभाव डाल सकती है। महंगाई, सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर दबाव और ग्रामीण असंतोष इसके संभावित परिणाम हो सकते हैं।

इसलिए यूरिया जैसी बुनियादी कृषि सामग्री को लेकर तय की गई किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल बजट संतुलन के नजरिए से नहीं किया जाना चाहिए। समाधान के रास्ते मौजूद हैं, बशर्ते नीति-निर्माण में इच्छाशक्ति और व्यावहारिक दृष्टिकोण हो। सबसे पहले यूरिया के औद्योगिक दुरुपयोग पर सख्ती से रोक लगानी होगी। किसानों के लिए उपलब्ध यूरिया की गुणवत्ता और मात्रा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

नीतियां जमीनी वास्तविकताओं और वैज्ञानिक सिफारिशों के अनुरूप होनी चाहिए, न कि केवल कागजी आंकड़ों पर। यह समझना होगा कि किसान, कृषि और खाद्य सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

इनमें से किसी एक को कमजोर कर बाकी दो को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और खाद्य सुरक्षा का आधार भी है। ऐसे में कोई भी प्रयोग दूरगामी परिणाम लेकर आता है। यदि किसान लागत बढ़ने या उपलब्धता की कमी के कारण आवश्यक मात्रा में यूरिया नहीं डाल पाता, तो उपज में गिरावट तय है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

दान का सुख, बेईमानी की बेड़ियां और जीवन का सच, स्वर्ग-नरक यहीं बसते हैं

(गिरीश पंकज)

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। ईश्वर को किसी ने नहीं देखा। पुनर्जन्म होता या नहीं, इसके बारे में भी कहा नहीं जा सकता, लेकिन एक डर लोगों के मन में बैठा रहता है। हमेशा बैठाया भी जाता है कि अच्छे काम करोगे, तो अगले जन्म में मनुष्य बनकर पैदा होगे और बुरे काम करोगे तो तरह-तरह के पशुओं में तुम्हारा जन्म होता रहेगा। चौरासी लाख योनियों में भटकने की बात धर्मग्रंथ करते हैं। व्यक्ति के मन में भय इसलिए पैदा किया जाता है कि वह नैतिक दृष्टि से ठीक-ठाक रहे। उसके अंदर मानवता, करुणा, सच्चाई, ईमानदारी जिंदा रहे। जिस समाज में ऐसे सज्जनों की बहुलता रहती है, वह समाज खुशहाल रहता है। इसलिए सदियों से हमारे धर्मग्रंथों और ऋषि-मुनियों ने मनुष्यों में सदाचरण पर जोर दिया और उस सदाचरण को बरकरार रखने के लिए उन्होंने स्वर्ग-नरक की कथाएं भी रचीं।

सच्चाई यह है कि इस स्वर्ग-नरक को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन धर्मभीरू समाज के मन में यह बात बिठा दी गई है कि ईश्वर हमें देख रहा है। हमारे हर गलत सही काम पर उसकी नजर है। इस भय से ही आम इंसान जीवन में गलत काम करने से बचता है। यह सिर्फ एक कल्पना है और एक तरह से मनुष्य को सन्मार्ग दिखाने, उस पर चलाने की एक उत्तम प्रविधि है। जैसे आजकल बहुत सारे अपराध सिर्फ इसलिए नहीं होते कि जगह-जगह खुफिया कैमरे लगे होते हैं और किसी दीवार पर एक पंक्ति लिखी होती है कि 'आप कैमरे की निगाह में हैं।' पहले लोगों से कहा जाता था कि आप ईश्वर की निगाह में हैं। उस चेतावनी को बहुत कम लोग मानते थे, लेकिन इस भौतिक चेतावनी को लोग गंभीरता से मानते हैं और गलत काम करने से बचते भी हैं। ज्यादा दुस्साहसी अपराधी पहले खुफिया कैमरे को तोड़ भी देते हैं।

कुछ लोग कहते हैं कि स्वर्ग-नरक सब यहीं है। अच्छे काम करना और सुखमय जीवन जीना स्वर्ग से कम नहीं है। और बुरे काम करके उसका कुपरिणाम भोगना नरक है। यह सभी महसूस भी करते हैं। अपने सामने ऐसा घटित होते देखते भी हैं। न जाने कितने अरबपति व्यापारी, भ्रष्ट नेता या घोटालेबाज अफसर बेईमानी की कमाई करने के बाद एक दिन जब गिरफ्तार होकर जेल भेज दिए जाते हैं, तो लोग यही कहते हैं कि देखो, उन्हें अपने किए का फल मिल गया। कल तक वे स्वर्ग भोग रहा थे, आज नरक भोग रहे हैं।

दूसरी तरफ स्वर्ग वे भोग रहे होते हैं, जो संतोषी हैं और सुखी हैं। लोग जब दान-पुण्य करते हैं, तो उनके अंतर्मन में एक सुखानुभूति होती है। यह सुखद अनुभूति किसी स्वर्ग से कम नहीं है। उदार मन का धनी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा दान करता है, तो उसकी ख्याति बढ़ती जाती है। तब उसके मन को जो परमानंद मिलता है, दरअसल वही स्वर्ग है।

जो व्यक्ति जितना सुखी है या पूरी तरह से स्वस्थ है, तो वह जीवन में एक तरह से वास्तविक स्वर्ग का जीवन जी रहा है। अगर उसके जीवन में ईर्ष्या, द्वेष, षड्यंत्र आदि दुर्गुण भरे हुए हैं, तो उसका जीवन अपने आप में नरक है। वह कुंठित होकर अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि वह अपने नारकीय जीवन को पहचान नहीं पाता। वह अपनी धूर्त मानसिकता और हल्केपन को अपनी चालाकी समझता है और हर घड़ी दूसरे के अहित को अपनी उपलब्धि मानकर प्रसन्न रहता है।

जिस दिन ऐसे लोग आत्म-मंथन करते हुए यह विचार करने लगेंगे कि 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई', तो वे अपना रास्ता बदल सकते हैं। वे अपने हृदय को निर्मल कर लें, उदार कर लें और यह सोचने लगें कि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सभी का कल्याण हो, तो फिर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव आ जाएगा। धर्म-कर्म के पथ पर चलने वाले सच्चे लोग इसीलिए भीड़ में भी अलग दिखाई देते हैं।

धर्म-कर्म पर चलने का अर्थ यह नहीं कि लोग कट्टर हो जाएं और अपने-अपने धर्म के लिए आपस में भिड़ जाएं। अनेक लोग जीवन की सार्थकता लोक कल्याण के कार्य को ही समझते हैं। यही सच्ची धार्मिकता है। सोशल मीडिया के दौर में हम सब अनेक ऐसे वीडियो देखते हैं, जिसमें कोई पुलिसवाला किसी गरीब की मदद कर रहा है, उसे खाना खिला रहा है, कोई अमीर व्यक्ति फटेहाल बच्चों को अच्छे कपड़े पहना रहा है, कोई किसी की झोंपड़ी को पक्का करवा रहा है।

क्या एआई के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है।

(नीरज कुमार दुबे)

देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है।

यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चैट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं।

उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है।

दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है। इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे।

लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी। अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है। चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है। तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं। दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे। भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुन:-प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा। बहरहाल, अब सवाल यह है कि एआई की दिशा कौन तय करेगा? अगर भारत ने समय रहते साहसिक फैसले लिए, चिप निर्माण, ऊर्जा ढांचा और औद्योगिक एआई पर जोर दिया, तो वह केवल तकनीक का बाजार नहीं रहेगा, बल्कि दिशा देने वाला देश बन सकता है। आईटी क्रांति ने भारत को विश्व मंच पर जगह दी थी। एआई और उन्नत कंप्यूटिंग भारत को आर्थिक शक्ति और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए दौर में पहुंचा सकती है। अवसर हमारे सामने है। अब निर्णय और क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी है।

खुले में चल रहा खुड़खुड़ी जुआ, लुटे जा रहे आदिवासी नहीं पड़ रही पुलिस की नजर

मिलीभगत से हो रहा खेला सूचना के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

कोंडागांव /मूक पत्रिका

जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में इन दीनों मेला मंढ़ई में प्रतिबंधित जुआ खुर्खुड़िया का खेल लगातार देखने को मिल रहा है जहां कोंडागांव थाना अंतर्गत करनपुर मेला में बाकायदा खुलेआम आधा दर्जन ग्रुप में जुआ चलाया जा रहा था जिसकी सूचना देने के बावजूद भी किसी तरह का कोई कार्यवाही नहीं देखने को मिली। वहीं माकड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत सोड़मा सहीत दो अलग-अलग स्थान में मेले के भीड़ भाड़ जगह के बीच प्रतिबंधित जुआ खुर्खुड़िया चलाया जा रहा था। जहां किसी तरह का कार्यवाही देखने को नहीं मिली विशेष सूत्रों से पता चला की माकड़ी थाना प्रभारी के द्वारा उच्च अधिकारी को संभालने की बात बताया गया जबकि जुआ से संबंधित फ्लिहाल वर्तमान में माकड़ी थाना प्रभारी से पूछा गया तो प्रकरण बनाने की बात कही। किंतु आज पर्यंत तक कार्यवाही नहीं देखने को मिली और किसी तरह का प्रकरण दर्ज नहीं हो पाई। इससे काफी दूर तक अंदेशा लगाया जा सकता है की बगैर जिम्मेदारों के संरक्षण के जुआरीओं की हिमाकत खुलेआम कैसे हो सकती है। हालांकि मड़ई मेला में पुलिस बल् की मौजूदगी सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था को कायम रखने के लिए होती है परंतु कोंडागांव जिले के मेला मड़ई में कहीं ना कहीं सुरक्षा व्यवस्था इन जुआरियों की पहरेदार बनकर नजारा देखते रहती हैं आपको जानकारी के लिए बता दें की एक और कोंडागांव पुलिस सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान जैसी तमाम जनहितकारी कार्यक्रम जनमानस के जान माल की सुरक्षा हेतु ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर आदिवासियों के बीच कार्यक्रम करती हुई नजर आ रही है दूसरी और कुछ थाना प्रभारी अपने स्वार्थ सिद्धि में नजर आ रहे हैं जिस पर प्रतिबंध लगाना बेहद जरूरी होगा क्योंकि मेले में बच्चों से लेकर तमाम उम्र के लोग पहुंचते हैं और प्रतिबंधित जुआ जैसे चीजों को देखकर लोगों की मानसिकता बदल जाती है साथ ही हार जीत के बाद मदिरा पान भी काफी हद तक हो जाता है जिससे दुर्घटनाएं की संभावना ज्यादातर बनी रहती है। हालांकि कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा ने सख्त निर्देश दिया है कि किसी तरह का अवैध गतिविधि पर पूरी लगाम लगायी जावेगी और इस कार्यक्रम में बड़ी पहल भी देखने को मिल रही है।

कांकेर जिले के बाह्य स्रोत कर्मचारियों ने बकाया वेतन भुगतान की मांग उठाई

चारामा, अमोड़ा, कांकेर व पुरी क्षेत्र से पहुंचे कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

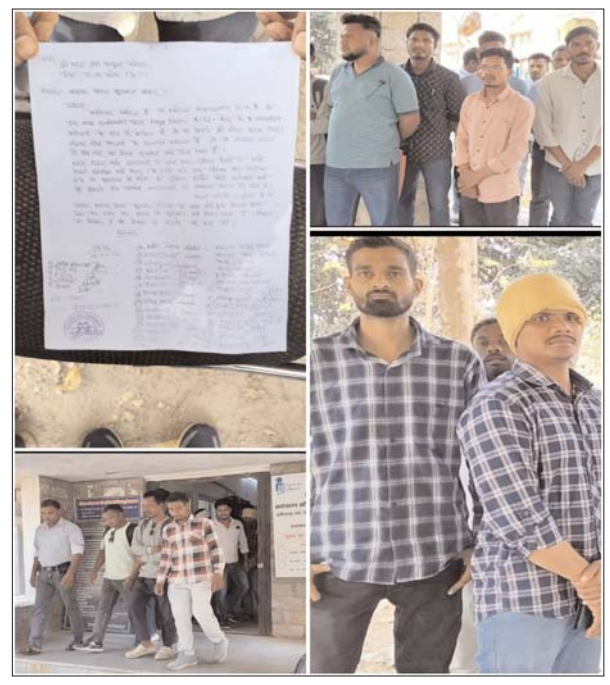

जिले के विद्युत वितरण केंद्रों से जुड़े बाह्य स्रोत (आउटसोर्स) कर्मचारी अपनी लंबित वेतन संबंधी मांगों को लेकर विभागीय कार्यालय पहुंचे। चारामा, अमोड़ा, कांकेर तथा पुरी क्षेत्र से आए कर्मचारियों ने बताया कि वे पिछले चार माह से नियमित रूप से सेवाएं दे रहे हैं, किंतु वेतन भुगतान में विलंब के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने उल्लेख किया है कि निर्धारित दर के अनुरूप बेस पे तथा प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं हुआ है। पूर्व में भी इस संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर शीघ्र निराकरण का आग्रह किया गया था।कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांग रखते हुए विभाग से अनुरोध किया है कि बकाया वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि कार्य प्रभावित न हो और विद्युत व्यवस्था सुचारू बनी रहे। विभागीय स्तर पर मामले को संज्ञान में लेकर आवश्यक प्रक्रिया की जा रही है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

तहसील मुख्यालय शिवरीनारायण में शासकीय भूमियों पर हो रहे हैं अवैध निर्माण:कार्यवाही के प्रति उदासिन है अधिकारी

चर्चित आनंद केडिया के अवैध निर्माण प्रकरण में हाई कोर्ट के निर्देशों के पालन में विलंब -- एसडीएम पर भी उठ रहे हैं गंभीर सवाल

45 दिवस के भीतर प्रकरण पर निर्णय देने हाई कोर्ट का है निर्देश

शिवरीनारायण/मूक पत्रिका

जिले जांजगीर चांपा- स्वामी आत्मानंद हायर सेकेण्डरी स्कूल, मवेशी बाजार, थाना और रेस्ट हाउस के आसपास, पुराना तहसील कार्यालय के सामने तथा नगर के अनेक महत्वपूर्ण स्थलों की बेशकीमती शासकीय भूमि पर कब्जा कर सैकड़ों मकान-दुकानें बन गई है। ऐसे अवैध निर्माण करने वालों में नगर वासियों सहित अन्य गांव के लोग भी हैं,जो छोटी-मोटी नौकरी व व्यवसाय करते हैं। ऐसे लोगों के लिए यह नगर चारागाह बना हुआ है। संबंधित अधिकारी गण समय रहते इन पर ठोस कार्रवाई करते तो यहां अवैध निर्माण पर अंकुश जरूर लगता। लेकिन अधिकारियों के ढुलमुल रवैए वह अवैध कब्जा निर्माण करने वालों से पैसे की लेनदेन करने से अवैध निर्माण करने वालों प्रोत्साहन मिल रहा है और उनकी हौसले बुलंद हैं। बता दें,नगर में बहुचर्चित आनंद केडिया के अवैध आलीशान मकान दुकान प्रकरण में न्यायालय तहसीलदार शिवरीनारायण अविनाश चौहान ने शिवरीनारायण नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भोगहापारा पटवारी हल्का नंबर 8 में अवस्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 629 के रकबा 70 गुणा 30 वर्ग कड़ी में उनके द्वारा अप्राधिकृत कब्जा किये जाने के विरुद्ध बेदखली आदेश जारी कर शासकीय भूमि पर अप्राधिकृत कब्जा होने के कारण आर्थिक दंड की राशि दस हजार रुपए अधिरोपित किये गये थे और न्यायलय द्वारा जारी बेदखली वारंट पाते ही 7 दिवस के भीतर अपनी वाद भूमि से अपना अवैध अतिक्रमण स्वतः हटाना एवं अधिरोपित की राशि बैक चलान के माध्यम से अथवा तहसील न्यायालय शिवरीनारायण को नगद राशि अदा करने सुनिश्चित करने का फरमान जारी किया गया था। इसे आनंद केडिया ने चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की। तारीख 25.07.2025 के उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश में सीजीएलआरसी की धारा 44 (1) के तहत याचिकाकर्ता के लिए वैकल्पिक उपाय उपलब्ध है इसलिए याचिकाकर्ता को इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से 15 दिनों की अवधि के भीतर संहिता 1959 की धारा 44(1)के तहत अपील दायर करने की स्वतंत्रता दी जाती है और ऐसी अपील दायर होने के पर संबंधित एसडीएम (राजस्व) इस न्यायालय द्वारा दी गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए और याचिकाकर्ता को सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करने के बाद उनके गुण दोष के आधार पर अपील दायर करने की तारीख से 45 दिनों की अवधि के भीतर उस पर निर्णय लेंगे। अपील पर निर्णय होने तक यह निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ता के विरुद्ध कोई भी बलपूर्वक कदम नहीं उठाया जाएगा। लेकिन उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा अपिल दायर करने की तारीख से 45 दिनों की अवधि के 05 माह से अधिक समय व्यतीत होने के बावजूद भी यह प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जांजगीर ने लंबित कर रखा है।वही प्राप्त जानकारी के अनुसार याचिकाकर्ता अपने अवैध भवन दुकान निर्माण का कार्य लगातार जारी रखे हुए हैं। इससे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जांजगीर को लेकर जनमानस में तरह-तरह की चर्चाएं भी व्याप्त है।

थाना कोरर में 20 वर्ष पुराने विसरा एवं 500 लीटर से अधिक शराब का विधिवत नष्टीकरण

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला उत्तर बस्तर कांकेर कोरर 20 फरवरी पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मोहसिन खान के मार्गदर्शन में थाना कोरर में लंबे समय से जप्त विभिन्न प्रकरणों के विसरा एवं शराब का विधिवत नष्टीकरण किया गया। थाना कोरर में हत्या, आत्महत्या, सड़क दुर्घटना एवं अन्य हादसों से संबंधित मामलों में जांच के दौरान जप्त किए गए विसरा को न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात सुरक्षित रखा गया था। इनमें से 20 वर्ष से अधिक पुराने विसरा का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। इसी प्रकार विभिन्न अपराध प्रकरणों में जप्त देशी महुआ शराब एवं अंग्रेजी शराब सहित 500 लीटर से अधिक मदिरा का भी विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्टीकरण किया गया। नष्टीकरण की कार्रवाई नायब तहसीलदार कोरर योगिता भेंडिया, थाना प्रभारी कोरर निरीक्षक जितेंद्र गुप्ता एवं आबकारी उप निरीक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुई। कार्रवाई में निरीक्षक जितेंद्र गुप्ता, उप निरीक्षक छत्रपाल सिंह साहू, प्रधान आरक्षक योगेश मंडावी, तीरथ गंधर्व, गंभीर पाण्डे, आरक्षक मनोज साहू, लक्ष्मीराम मंडावी, केतन ठाकुर सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस प्रशासन ने बताया कि लंबित जप्त सामग्री के नष्टीकरण से अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित हुआ है तथा थाना परिसर में सुरक्षित भंडारण व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है।

कलेक्टर एवं एसपी ने क़ानून व्यवस्था को लेकर ली संयुक्त बैठक

जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने पर दिया गया जोर

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा द्वारा शुक्रवार को जिला कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेकर जिले की विभिन्न घटनाओं की समीक्षा की गई, जिससे जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बरकरार रहे। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक में सूचना तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए निर्देशित किया गया कि किसी भी आपातकालीन घटना से निपटने के लिए मैदानी स्तर अमले को सतर्क और जागरूक रहें, जिससे किसी भी घटना की त्वरित सूचना प्राप्त हो सके। आगामी त्यौहार और विभिन्न मेला के आयोजन के लिए शांति समिति की बैठक लेने हेतु भी सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री चित्रकांत चाली ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कपिल चंद्रा, एसडीएम अजय उरांव, अश्वन पुसाम, सुश्री आकांक्षा नायक सहित सभी एसडीओपी, तहसीलदार वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

बकावण्ड की ग्राम पंचायतों में लगी चौपाल, नोडल अधिकारियों ने मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण करने सहित ग्रामीणों से की चर्चा

बकावण्ड/मूक पत्रिका

बकावण्ड विकासखंड में शुक्रवार को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने और ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रशासन ने एक व्यापक अभियान चलाया। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष निरीक्षण एवं जनसमस्या निवारण शिविर के तहत जिला प्रशासन के अधिकारी सुबह 10 बजे से ही अपनी-अपनी आबंटित पंचायतों में सक्रिय नजर आए। अधिकारियों के इस दल ने ग्राम पंचायतों में मूलभूत सुविधाओं सहित आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और उचित मूल्य दुकानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विशेष रूप से बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, पूरक पोषण आहार की उपलब्धता और हर घर नल-जल जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल सके। ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के बाद दोपहर में सभी पंचायत भवनों में आयोजित चौपाल के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ सीधे रूबरू होकर उनकी शिकायतों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। जहां ग्रामीणों ने सामाजिक सहायता, टीकाकरण, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं से जुड़ी अपनी बातें अधिकारियों के समक्ष रखीं। गौरतलब है कि इस शिविर की सफलता के लिए एक सप्ताह पूर्व से ही गांवों में मुनादी करवाकर ग्रामीणों को सूचित किया गया था, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकें। वहीं इस पूरे अभियान की समीक्षा हेतु शाम साढ़े 4 बजे जनपद मुख्यालय बकावंड स्थित सद्भावना भवन में सहायक कलेक्टर श्री विपिन दुबे द्वारा सभी अधिकारियों की बैठक में हरेक ग्राम पंचायतों की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विकासखंड मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी मनीष वर्मा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पारेश्वर कुर्रे सहित सभी ग्राम पंचायतों के नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

सुरक्षाबलों ने फरसेगढ़ और तर्रेम में 4 माओवादी स्मारक ढहाए

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए चार अवैध माओवादी स्मारक ध्वस्त कर दिए।फरसेगढ़ थाना क्षेत्र में एफओबी पीछूर से निकली केरिपु 214 वाहिनी की टीम ने नीलमड़गु के जंगल में करीब 15 फीट ऊंचा बना माओवादी स्मारक गिराया। टीम सर्चिंग पर निकली थी, तभी यह ढांचा मिला और मौके पर ही तोड़ दिया गया।इसी तरह तर्रेम थाना क्षेत्र में केरिपु 153 वाहिनी के जवानों ने पेद्दागेलुर और कोत्तागुड़ा के जंगलों में अभियान चलाया। यहां तीन अलग-अलग जगहों पर बने स्मारकों को ध्वस्त किया गया।अधिकारियों का कहना है कि ऐसे ढांचे माओवादियों की मौजूदगी दिखाने और लोगों में डर पैदा करने के लिए बनाए जाते हैं। सुरक्षा बल अब इन्हें लगातार चिन्हित कर हटा रहे हैं, ताकि इलाके में सामान्य माहौल बन सके। पुलिस के मुताबिक आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

युवा सोच में सकारात्मक बदलाव का संकल्प

निश्चय से नई दिशा : जिला जेल सूरजपुर में युवा बंदियों के पुनर्वास की मजबूत पहल

सूरजपुर/मूक पत्रिका

मोहन प्रताप सिंह :-- जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं छत्तीसगढ़ द्वारा प्रारंभ किए गए 'निश्चय' कार्यक्रम के तहत जिला जेल सूरजपुर में युवा बंदियों के पुनर्वास को लेकर विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के विचाराधीन बंदियों को अपराध की पुनरावृत्ति से रोकते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक वापसी के लिए तैयार करना है।

युवा सोच में सकारात्मक बदलाव का संकल्प

निश्चय कार्यक्रम का मुख्य फोकस युवा बंदियों की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इसके अंतर्गत शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, संस्कार और कानूनी जागरूकता जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि रिहाई के बाद वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

जेल को दंड नहीं, अवसर समझें – कलेक्टर एस. जयवर्धन

कार्यक्रम में उपस्थित कलेक्टर एस. जयवर्धन ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जेल की चारदीवारी को केवल सजा का प्रतीक न मानें, बल्कि इसे आत्मसुधार और आत्मचिंतन का अवसर समझें। उन्होंने योग, ध्यान और काउंसलिंग सत्रों में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि व्यवहार में बदलाव ही जीवन में स्थायी परिवर्तन लाता है। जेल से बाहर निकलते समय हर बंदी के पास एक नई सोच और नई दिशा होनी चाहिए।

अतीत की गलतियों को यहीं छोड़ें – डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर

डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि 'निश्चय' कार्यक्रम एक व्यापक सुधारात्मक पहल है, जिसका उद्देश्य युवा बंदियों को शिक्षा, कौशल और सकारात्मक संस्कारों के माध्यम से नई राह दिखाना है। उन्होंने कहा कि बीती गलतियों को दोहराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ें। समाज में लौटने के बाद युवाओं को अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित करें और सकारात्मक उदाहरण बनें।

योग, काउंसलिंग और कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की राह

जिला जेल अधीक्षक अक्षय तिवारी ने बताया कि पुलिस महानिदेशक जेल छत्तीसगढ़ हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके तहत बंदियों के लिए नियमित रूप से योग, आर्ट ऑफलिविंग, कानूनी जागरूकता एवं परामर्श सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। आने वाले समय में विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण भी दिए जाएंगे, जिससे रिहाई के बाद वे रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें।

सुधार की राह पर बढ़ता कदम

'निश्चय' कार्यक्रम केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। यह प्रयास यह संदेश देता है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर हर व्यक्ति अपने जीवन की दिशा बदल सकता है। कार्यक्रम के दौरान विचाराधीन बंदी एवं जेल स्टाफ की उपस्थिति रही।

सखी वन स्टॉप सेंटर में पीड़ित महिलाओं को मिल रही त्वरित सहायता

कोंडागांव/मूक पत्रिका

जिले में सखी वन स्टॉप सेंटर का संचालन 10 मार्च 2017 से किया जा रहा है। यह केंद्र हिंसा से पीड़ित एवं जरूरतमंद महिलाओं तथा बालिकाओं को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। केंद्र के माध्यम से पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा, पुलिस सहायता, विधिक परामर्श, मनोसामाजिक काउंसलिंग तथा अस्थायी आश्रय की सुविधा प्रदान की जाती है। जिले में अब तक कुल 1998 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें घरेलू हिंसा के 993, प्रेम प्रसंग से संबंधित 79, भटकी (गुमशुदा) महिलाओं के 99 तथा 776 महिलाओं एवं बालिकाओं को अस्थायी आश्रय प्रदान कर प्रकरणों का निराकरण किया गया है। केंद्र द्वारा प्रकरणों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है, जिससे पीड़ितों को समय पर न्याय और संरक्षण मिल सके।सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार कर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही उन्हें उपलब्ध शासकीय योजनाओं एवं सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी जाती है, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर निःसंकोच मदद प्राप्त कर सकें। पीड़ित महिलाएं टोल फ्री नंबर 181 पर 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर 24 घंटे संचालित रहता है और जरूरतमंद महिलाओं के लिए सदैव खुला है। केंद्र की यह पहल जिले में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मां की कब्र पर रिपोर्ट कार्ड दिखाने पहुंचा मासूम

पेरू, एजेंसी। सोशल मीडिया पर बेहद भावुक कर देने वाला वीडियो एक बार फिर लोगों की आंखें नम कर रहा है। पेरू के इस पुराने वीडियो में 'जीजस' नाम का एक मासूम बच्चा अपनी माँ की कब्र पर खड़ा होकर उन्हें अपना स्कूल रिपोर्ट कार्ड दिखाता नजर आता है। बच्चा रिपोर्ट कार्ड दिखाने के बाद फफक कर रो पड़ता है। बच्चे की मासूमियत, मां के प्रति प्रेम और उससे बिछड़ने का दर्द वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है। बताया जाता है कि जीजस ने अपनी माँ से वादा किया था कि वह पढ़ाई में अच्छे अंक लाएगा। माँ के निधन के बाद भी उसने यह वादा नहीं तोड़ा। वह अक्सर कब्रिस्तान जाता है, अपनी माँ से मिलता है और उन्हें स्कूल, पढ़ाई और नंबरों की बातें बताता है

मानो माँ आज भी उसे देख और सुन रही हों। वीडियो के अंत में एक अजनबी व्यक्ति जीजस की भावनाओं को समझता है। वह चुपचाप बच्चे का हाथ थामता है और उसे सहारा देकर अपने साथ ले जाता है। यह छोटा-सा दृश्य इंसानियत, संवेदना और मानवीय रिश्तों की सबसे सच्ची मिसाल बन जाता है। जीजस की माँ का निधन वर्ष 2005 में हुआ था। वर्षों बाद सामने आया यह वीडियो अब दुनियाभर के लोगों को यह याद दिला रहा है कि माँ-बेटे का रिश्ता समय, दूरी और मौत से भी बड़ा होता है।यह कहानी सिर्फ एक बच्चे की नहीं, बल्कि उस प्रेम की है जो कभी खत्म नहीं होता जो कब्र की खामोशी में भी ज़िंदा रहता है और दिलों को भीतर तक छू जाता है।

पाकिस्तान अपने ही पाले आतंकवाद के राक्षस से लहूलुहान!

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बार फिर आतंकवाद ने खूनी खेल खेला। अफगानिस्तान सीमा से सटे बजुयर जिले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीटीपी ने विस्फोटकों से भरी गाड़ी से आत्मघाती हमला कर दिया। इस हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों समेत सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हमला एफसी (फ्रंटियर कॉर्प्स) की संयुक्त जांच चौकी पर किया गया, जिससे पूरी इमारत ढह गई।पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर) के अनुसार, आतंकियों ने पहले चौकी में घुसपैठ की कोशिश की और नाकाम होने पर विस्फोटक से लदी गाड़ी को सुरक्षा दीवार से टकरा दिया। धमाका इतना भीषण था कि आसपास की रिहायशी इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।सेना के बयान में कहा गया है कि जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इलाके में छिपे अन्य आतंकियों के खात्मे के लिए व्यापक तलाशी अभियान जारी है। पाकिस्तानी सरकार टीटीपी को 'फितना-अल-ख्वारिज' कहकर संबोधित करती है और उसका आरोप है कि यह संगठन विदेशी समर्थन से देश में अस्थिरता फैलाने की साजिश कर रहा है।

हाईवे पर 30 से ज्यादा गाड़ियां टकराईं, 4 की मौत व 29 घायल

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य में मंगलवार को आई धूल भरी भीषण आंधी ने जानलेवा हादसे को जन्म दिया। तेज हवाओं के कारण उड़ती धूल से दृश्यता लगभग शून्य हो गई, जिसके चलते पुएब्लो के दक्षिण में इंटरस्टेट-25 पर 30 से अधिक वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। कोलोराडो स्टेट पेट्रोल के अनुसार, यह हादसा पूर्वाह्न लगभग 10 बजे हुआ, जब अचानक तेज हवाओं के साथ धूल का गुबार उठ खड़ा हुआ। वाहन चालकों को सड़क पर आगे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जिससे एक के बाद एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते चले गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 'तोहफे' में दिए उसी के तीन सैनिक, कई महीनों पहले किया था कैद

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की है कि उसने पिछले साल अक्टूबर में सीमा पार लड़ाई के दौरान पकड़े गए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा कर दिया है। यह कदम रमजान के पवित्र महीने के मद्देनजर उठाया गया है। सऊदी अरब की मध्यस्थता: अफगानिस्तान सरकार के प्रवक्ता, जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में बताया कि इन सैनिकों को सोमवार को काबुल आए एक सऊदी प्रतिनिधिमंडल को सौंप दिया गया। यह प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कर रहा था।

गिरफ्तारी का समय: मुजाहिद के अनुसार, इन तीन सैनिकों को 12 अक्टूबर को हुई लड़ाई के दौरान बंदी बनाया गया था।

रिहाई का कारण: उन्होंने कहा कि सैनिकों को रिहा करने का निर्णय रमजान की शुरुआत को देखते हुए लिया गया है, जो इस्लाम में उपवास और आत्म-चिंतन का पवित्र महीना माना जाता है। अफगानिस्तान और उसके पड़ोसी पाकिस्तान के बीच पिछले साल अक्टूबर से ही तनाव काफी बढ़ा हुआ है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच

वर्तमान में जो तल्खी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें पिछले साल अक्टूबर की घटनाओं में छिपी हैं। भले ही अब 3 सैनिकों की रिहाई को एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, लेकिन दोनों पड़ोसियों के बीच रिश्तों की डोर बेहद कमजोर हो चुकी है।

9 अक्टूबर का काबुल धमाका इस पूरे तनाव की शुरुआत 9 अक्टूबर को हुई, जब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में कई जोरदार धमाके हुए। इन धमाकों ने पूरे शहर को दहला दिया। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने तुरंत इन हमलों के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। अफगान सरकार ने न केवल पाकिस्तान पर आरोप लगाए, बल्कि इन हमलों का बदला लेने की कसम भी खाई।

काबुल धमाकों के ठीक बाद, प्रतिशोध की भावना ने दोनों देशों की सीमाओं पर युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए। तालिबान के 'बदला लेने' के बयान के बाद सीमा पर भीषण गोलाबारी शुरू हो गई।

लड़ाई के दौरान 12 अक्टूबर का दिन सबसे महत्वपूर्ण रहा, जब अफगान बलों ने लड़ाई के दौरान तीन पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बना लिया (जिन्हें अब रिहा किया गया है)। यह संघर्ष इतना घातक था कि इसमें दोनों तरफ के दर्जनों सैनिक, आम नागरिक और संदिग्ध उग्रवादी मारे गए, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्टूबर में हुई यह लड़ाई पिछले कई वर्षों में दोनों पड़ोसियों के बीच हुई सबसे भीषण लड़ाई थी। इसने दोनों देशों के राजनयिक संबंधों को रसातल में पहुंचा दिया।

जब हालात बेकाबू होने लगे, तो खाड़ी देशों ने हस्तक्षेप किया: कतर की मध्यस्थता: कतर ने दोनों देशों के बीच बीच-बचाव किया, जिसके बाद एक 'युद्धविराम' लागू हुआ। इससे सीमा पर तोपें तो शांत हो गईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। युद्धविराम के बाद, तुर्की के इस्तांबुल में शांति वार्ता आयोजित की गई ताकि कोई स्थाई समाधान निकल सके। लेकिन, यह बातचीत किसी ठोस समझौते या नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। हालात को सुधारने के लिए कतर की मध्यस्थता में एक युद्धविराम समझौता हुआ था, जिससे तनाव में कुछ कमी आई है। हालांकि, इस्तांबुल में हुई बाद की शांति वार्ता किसी ठोस समझौते पर पहुंचने में विफल रही, जिसके कारण दोनों देशों के संबंध अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं।

रूस में खीरे की कीमतों में आया बंपर उछाल

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच अब रूस में एक नई समस्या सामने आई है। सोने और चांदी की कीमतों की तरह ही सब्जियों के दामों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। विशेषकर खीरे की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने आम लोगों की जेब पर बड़ा असर डाला है। सोशल मीडिया पर लोग खीरे की तुलना लग्जरी और कीमती चीजों से कर रहे हैं और इसे मजाकिया अंदाज में नया सोना बता रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस में खीरे की कीमत दिसंबर से दोगुनी होकर लगभग 300 रूबल प्रति किलोग्राम (करीब 356 रुपये) तक पहुंच गई है। कुछ खीरे तो इससे भी दो-तीन गुना महंगे बिक रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी की शुरुआत तक खीरे की कीमतें मीट और अन्य आयातित फलों जैसे केले के बराबर या उससे भी ज्यादा हो गई हैं। इस उछाल के कारण लोग सोशल मीडिया पर महंगी सब्जियों की तस्वीरें डाल रहे हैं और डार्क ह्यूमर के जरिए खीरे को लग्जरी आइटम बता रहे हैं। इस बढ़ोतरी का मुद्दा सिर्फ मार्केट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति में भी चर्चा का विषय बन गया है। जस्ट रशिया पार्टी के लीडर सर्गेई मिरोनाव ने सरकार पर निशाना साधा।

जहां से होती है दुनिया को तेल सप्लाई, ईरान ने वही समुद्री रास्ता किया बंद

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने मंगलवार को एक बड़ा और सख्त संदेश दिया। एक तरफ वह अमेरिका के साथ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत कर रहा था, वहीं दूसरी ओर उसने दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होरमज़ में लाइव फायरिंग करते हुए उसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया।

ईरान ने साफ संकेत दिया कि अगर उस पर दबाव डाला गया या हमला हुआ, तो वह इस अहम समुद्री रास्ते से जहाजों की आवाजाही रोक सकता है।

क्या है स्ट्रेट ऑफ होरमुज और क्यों है इतना अहम?

स्ट्रेट ऑफ होरमुज दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग (चोक पॉइंट) माना जाता है। यह फारस की खाड़ी को गल्फ ऑफ ओमान और अरब सागर से जोड़ता है। इसके उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान स्थित है। इसकी सबसे संकरी चौड़ाई लगभग 21 मील (करीब 33-34 किलोमीटर) है।

सबसे अहम बात यह है कि दुनिया में होने वाली कुल तेल सप्लाई का लगभग 20त हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। हाल के आंकड़ों के मुताबिक हर दिन औसतन 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस जलडमरूमध्य से होकर दुनिया के अलग-अलग देशों तक पहुंचते हैं। इसलिए अगर यह रास्ता बंद होता है, तो वैश्विक

अब्बास अराघची कर रहे हैं ईरान की अगुआई

अर्थव्यवस्था और तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसके जवाब में ईरान ने कहा है कि अगर उस पर हमला हुआ तो वह सीधा जवाब देगा। ईरान की तरफ से बातचीत का नेतृत्व विदेश मंत्री कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख से मुलाकात की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि वे एक न्यायसंगत और बराबरी वाली डील के लिए जिनेवा पहुंचे हैं।

बातचीत भी और ताकत का प्रदर्शन भी

मंगलवार को ईरान और अमेरिका के बीच जिनेवा में परमाणु मुद्दे पर बातचीत हो रही थी। उसी समय ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होरमुज में बड़े पैमाने पर लाइव फायरिंग वाली सैन्य एक्सरसाइज शुरू कर दी। जैसे ही बातचीत शुरू हुई, ईरानी मीडिया ने घोषणा की कि ईरान ने होरमुज की दिशा में लाइव मिसाइलें दागी हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक, देश के अंदर और तटीय इलाकों से दागी गई मिसाइलों ने अपने तय टारगेट को सफलतापूर्वक नष्ट किया। इस लाइव फायरिंग की वजह से मंगलवार को कुछ समय के लिए स्ट्रेट ऑफ होरमुज बंद रहा। विशेषज्ञ इसे ईरान की दो ट्रैक रणनीति बता रहे हैं — यानी एक तरफ कूटनीतिक बातचीत और दूसरी तरफ ताकत का खुला प्रदर्शन। ईरान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करेगा, घरेलू नीतियों या आंतरिक मामलों पर नहीं। इसमें हाल ही में प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई भी शामिल है, जिस पर पश्चिमी देशों ने सवाल उठाए थे। अमेरिकी राष्ट्रपतिडोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को उसके न्यूक्लियर प्रोग्राम पर रोक लगाने के लिए कई बार सख्त चेतावनी दी है और जरूरत पड़ने पर ताकत के इस्तेमाल की बात भी कही है।

अमेरिकी पैनल में खुलासा: भारत-चीन टकराव खत्म नहीं...सिर्फ़ ठंडा पड़ा, तिब्बत को लेकर दी चेतावनी

नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के आंशिक पीछे हटने से तत्काल तनाव जरूर घटा है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक संसदीय आयोग के सामने पेश हुए शीर्ष अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत और चीन के बीच हालिया कूटनीतिक नरमी के बावजूद दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता संरचनात्मक बनी हुई है और भविष्य में भी यह टकराव का रूप ले सकती है। यूएस-चीन आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के समक्ष गवाही देते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि अक्टूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के आंशिक पीछे हटने से तत्काल तनाव जरूर घटा है, लेकिन शक्ति संतुलन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया। रणनीतिक विश्लेषकसमीर लालवानी ने आयोग को बताया कि अनिश्चितताओं के बावजूद भारत चीन को एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में ही देखता रहेगा। उनके अनुसार, सीमा आज भी अत्यधिक सैन्यीकृत है और सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में झुका हुआ है।

उन्होंने चेतावनी दी कि तिब्बत में चीन का लगातार बढ़ता बुनियादी ढांचा और किसी संभावित दलाई लामा उत्तराधिकार संकट जैसी राजनीतिक घटना बड़े सैन्य संघर्ष में बदल सकती है। किंग्स इंस्टीट्यूशन की विशेषज्ञ तन्वी मदान ने इसे रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि सामरिक नरमी करार दिया। उन्होंने कहा कि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद भारत में चीन को लेकर भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत की चिंता अब सिर्फ

सीमा तक सीमित नहीं है। चीन की दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ती नौसैनिक और आर्थिक मौजूदगी ने नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को कई गुना बढ़ा दिया है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की सौम्या भौमिक ने कहा कि पड़ोसी देशों में चीन का प्रभाव भारत के लिए अभूतपूर्व रणनीतिक चुनौती बन चुका है।आर्थिक मोर्चे पर विशेषज्ञों ने भारत की चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को गंभीर जोखिम बताया। चंद्रेश हरजीवन ने कहा कि दवाइयों और कच्चे रसायनों के मामले में चीन की भूमिका इतनी बड़ी है कि इससे अमेरिका की स्वास्थ्य सुरक्षा भी अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया कि चीन को संतुलित करने में भारत अमेरिका को एक अहम साझेदार मानता है। सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी की लिंडसे फोर्ड ने कहा कि न तो भारत और न ही अमेरिका अकेले चीन का मुकाबला कर सकता है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी तरुण छाबड़ा ने भारत को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा का सबसे अहम स्विंग स्टेट बताया और कहा कि भारत के फैसले तय करेंगे कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र लोकतांत्रिक तकनीकी व्यवस्था के साथ जाएगा या चीनी प्रभुत्व की ओर। हालांकि प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच संवाद दोबारा शुरू हुआ है, लेकिन अमेरिकी पैनल की सुनवाई ने साफ कर दिया कि भारत-चीन संबंधों का भविष्य सुलह नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा से तय होगा।

जिनेवा वार्ता से पहले रूस का भीषण हमला, यूक्रेन पर 29 मिसाइलें और 400 ड्रोन दागे

मास्को, एजेंसी। यक्रन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस ने जिनेवा में होने वाली अहम त्रिपक्षीय वार्ता से ठीक पहले यूक्रेन पर एक भीषण और सुनियोजित हमला किया। इस हमले में रूस ने 29 मिसाइलें और लगभग 400 ड्रोन दागे। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 29 में से 25 मिसाइलों को मार गिराया, जिसे उन्होंने एक बड़ी सफलता बताया। इसके बावजूद हमलों में बच्चों समेत नौ लोग घायल हुए हैं और कई रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा है।राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि जिनेवा में नए कूटनीतिक प्रारूप शुरू होने के दिन ही हमला करना रूस की असल मंशा को उजागर करता है। यूक्रेन शांति चाहता है और युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को तैयार है, लेकिन रूस का व्यवहार इसके विपरीत है। उन्होंने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वह जिनेवा में अमेरिकी प्रतिनिधियों के सामने इस हमले का मुद्दा मजबूती से उठाए, खासकर तब जब अमेरिका ने दोनों पक्षों से हमले रोकने का प्रस्ताव रखा था। इस बीच, रूस के हमलों से ओडेसा शहर में हालात और बिगड़ गए हैं। ड्रोन हमलों के कारण हजारों लोग पानी और हीटिंग सप्लाई से वंचित हो गए हैं। करीब 10 से

अधिक रिहायशी इमारतें और रेलवे ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि कुल 12 यूक्रेनी क्षेत्रों को निशाना बनाया गया और यह हमला खास तौर पर देश के ऊर्जा ढांचे को तबाह करने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों से अपील की कि रूस पर प्रतिबंधों का दबाव बढ़ाया जाए और यूक्रेन की वायु रक्षा को तत्काल मजबूत किया जाए। यूक्रेन-रूस युद्ध फरवरी 2022 से जारी है और जिनेवा में चल रही यह वार्ता अमेरिका की मध्यस्थता में युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों का हिस्सा है।

पाकिस्तान में सरकारी इशारे पर चल रहे 'डेथ स्क्वॉड्स'!

● बलूचिस्तान में बढ़ी हत्याएं, युवा कारीगर के मर्डर पर बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कथित राज्य-समर्थित हिंसा के नए आरोप सामने आए हैं। बीबीसी ने दावा किया है कि टंप क्षेत्र के 23 वर्षीय युवक की सशस्त्र समूह ने गोली मारकर हत्या कर दी, जो कथित तौर पर आधिकारिक संरक्षण में काम करता है। बीबीसी के अनुसार, मृतक की पहचान फराज़, पुत्र बहादुर, निवासी कोशकलात (टंप) के रूप में हुई है। समिति का आरोप है कि स्थानीय लोग ऐसे सशस्त्र गिरोहों को डेथ स्क्वॉड कहते हैं, जो असहमति दबाने और युवा बलूच पुरुषों को डराने के लिए सक्रिय हैं। संगठन ने कहा कि प्रशासन की निष्क्रियता के कारण ये नेटवर्क बेखौफ होकर काम कर रहे हैं।

बीबीसी ने फराज़ को एक कुशल कढ़ाई कारीगर बताया, जो अपने परिवार की आजीविका चलाता था। समिति के मुताबिक, उसकी हत्या नागरिकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का खतरनाक संकेत है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पहले भी जबरन गुमशुदगी और न्यायेतर कार्रवाइयों के बढ़ते मामलों पर चेतावनी दी है।इसी बीच, पांजगुर जिले में भी शव मिलने की खबरें हैं। मार्ग पर पांजगुर गैस प्लांट के पास एक शव मिला, जिसे पहचान के लिए अस्पताल भेजा गया। इससे पहले शापाटन इलाके से बरामद दो शवों की पहचान जंगियान (पुत्र अब्दुल रशीद) और सईद (पुत्र मोलादाद) के रूप में हुई।

संकलित रिपोर्टों में इस वर्ष कई कथित न्यायेतर हत्याओं का उल्लेख है जैसे करीम जान, जासिम जान, पज़ीर बलोच, नवाब अब्दुल्ला और जंगियान बलोच। जनवरी में जोहैब का शव भी मिला था, जो पहले लापता बताया गया था।

इटली को वेस्टइंडीज ने रौंदा, खत्म हुआ वर्ल्डकप में सफर

अब सुपर 8 में नजर आएगी कैरेबियाई टीम शमार,जोसेफ को 4 विकेट

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्डकप के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। वेस्टइंडीज की इस वर्ल्डकप में यह लगातार चौथी जीत है। गुरुवार को दिन के पहले मैच में इटली ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 165 रन बनाए हैं। जवाब में इटली 18 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। ग्रुप-सी का यह आखिरी मुकाबला था।

166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इटली के लिए बेन मैनेंटी ने 26, जेजे स्मट्स ने 24, एंथोनी मोस्का ने 19 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 12 रन बनाए। बाकी 7 बैटर्स दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने 4, मैथ्यू फोर्ड ने 3 और गुडाकेश मोती ने 2 विकेट लिए। अकील हुसैन को भी 1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज के लिए शाई होप ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 46 बॉल पर 75 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा, रोस्टन चेज 24 और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 24 रन बनाए। इटली के लिए क्रिशन कलुगमागे और बेन मैनेंटी ने 2-2 विकेट लिए। अली हसन और थॉमस ड्राका को 1-1 विकेट मिला।

मैग्नस कार्लसन बने विश्व फीस्टाइल शतरंज चैम्पियन

वाइजनहाउस ,जर्मनी (एजेंसी)। फ़ीडे फीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप 2026 का खिताब दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने जीत लिया है । फाइनल मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के फैबियानो करुआना को 2.5-1.5 से हराकर विश्व चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। चौथे और अंतिम गेम में ड्रॉ कार्लसन के लिए खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त रहा। निर्णायक क्षण तीसरे गेम में आया, जब कार्लसन लगभग

हारी हुई स्थिति से मुकाबला पलटने में सफल रहे। करुआना को तीन अलग-अलग मौकों पर जीत के अवसर मिले, लेकिन समय दबाव और जटिल स्थिति के कारण वे बढ़त को जीत में नहीं बदल सके। तीसरे गेम में बढ़त लेने के बाद कार्लसन ने अंतिम मुकाबले में संतुलित एंडगेम में ड्रॉ कर खिताब अपने नाम कर लिया। यह 2026 संस्करण फिडे द्वारा मान्यता प्राप्त पहला आधिकारिक फीस्टाइल विश्व चैम्पियनशिप था। इससे पहले कार्लसन फिडे फिशर रैंडम विश्व खिताब जीतने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन सफल नहीं हुए थे। वाइसेनहाउस में उन्होंने अपने करियर का 21वां विश्व खिताब हासिल किया और इसके साथ ही क्लासिकल, रैपिड, ब्लिट्ज और फीस्टाइल के साथ शतरंज के सभी फॉर्मेट को जीत लिया है ।

तीसरा स्थान अब्दुसत्तोरोव के नाम

तीसरे स्थान के मुकाबले में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने जर्मनी के विंसेंट केमर को 2.5-1.5 से हराया, और 2027 फिडे फीस्टाइल विश्व चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। पांचवें स्थान के लिए हुए मुकाबले में हंस नीमन ने भारत के अर्जुन एरिगैसी को 2-0 से हराया।

भारत-बीसीसीआई से रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश

● **नए खेलमंत्री बोले-** पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाने की मंशा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर अमीनुल हक बीसीसीआई और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को जल्दी सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने का जिक्र किया। हक ने कहा- शपथ लेने के बाद मैं पार्लियामेंट बिल्डिंग में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। मैंने उनसे टी-20 वर्ल्ड कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं। इस टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को अपने मुकाबले मुंबई और कोलकाता में खेलने थे। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टीम ने भारत दौरे पर आने से इनकार कर दिया। इसके बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने का फैसला किया था।

पूर्व खेल मंत्री आसिफ ने कहा था कि भारत में खिलाड़ियों के सुरक्षा की चिंता- नजरुल- बांग्लादेश सरकार के पूर्व खेल मंत्री आसिफ नजरुल ने नेशनल टीम को भारत भेजने से मना किया था। उन्होंने कहा था, हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता है।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर विवाद

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी। उन्हें केकेआर ने 3 जनवरी को बीसीसीआई के कहने पर टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

● **पीएम मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी-** इससे पहले 13 फरवरी को पीएम नरेंद्र मोदी और रहमान के बीच पहली फोन बातचीत हुई थी। मोदी ने तारिक रहमान को जीत की बधाई दी थी। उन्होंने कहा कि वे दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए साथ काम करने को उत्सुक हैं। बीएनपी ने एक्स पर एक पोस्ट में मोदी के बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया। पार्टी ने कहा, 'हम भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने को तैयार हैं। हमारा रिश्ता आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि की साझा प्रतिबद्धता से आगे बढ़ेगा।'

नामीबिया पर पाकिस्तान की सबसे बड़ी जीत

वहीं भारत ने लगातार नीदरलैंड को हराकर चौथा मैच जीता

कोलंबो (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान ने नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर-8 स्टेज में एंट्री कर ली। यह टीम की वर्ल्ड कप में रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। दूसरी ओर टीम इंडिया ने टूर्नामेंट इतिहास में रिकॉर्ड 12वां लगातार मैच जीत लिया। वहीं टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा लगातार तीसरे मुकाबले में खाता नहीं खोल सके।

पाकिस्तान की सबसे बड़ी जीत- पाकिस्तान ने बुधवार को नामीबिया के खिलाफ 199 रन बनाने के बाद उन्हें 97 रन पर समेट दिया। टीम ने 102 रन से मुकाबला जीता। यह टी-20 वर्ल्ड कप में रन के अंतर से पाकिस्तान की सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले 2009 में टीम नीदरलैंड को लॉर्ड्स स्टेडियम में 82 रन से हरा चुकी है।

दुबे की वर्ल्डकप में पहली फिफ्टी, चक्रवर्ती को 3 विकेट

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार चौथा मैच जीत लिया है। टीम ने बुधवार के तीसरे मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। शिवम दुबे ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। मैच का स्कोरबोर्ड

चक्रवर्ती ने 3 तो दुबे ने 2 विकेट झटके

नीदरलैंड की ओर से बास डी लीडे ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। अन्य कोई बल्लेबाज 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट झटके। शिवम दुबे को 2 विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या के हिस्से एक-एक विकेट आया। भारत टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार 12वां मैच जीत चुका है। 2024 में लगातार 8 मैच जीतने के बाद टीम ने 2026 में 4 मैच और जीत लिए। टूर्नामेंट इतिहास में भारत से ज्यादा लगातार मैच किसी भी टीम ने नहीं जीते।

भारत ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया

नीदरलैंड के खिलाफ टी-20 में भारत ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। यह एक मुकाबले में भारत की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा गेंदबाज रहे। टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ भी 7 ही बॉलर्स से गेंदबाजी कराई थी। भारत इस टूर्नामेंट में 9 कैच छोड़ चुका है, जो आयरलैंड के 10 कैचों के बाद सबसे ज्यादा है। नीदरलैंड ने बगैर फिफ्टी लगाए अपना बेस्ट टी-20 स्कोर बनाए। टीम ने 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। इससे पहले 2018 में टीम ने नेपाल के खिलाफ 174 रन बनाए थे। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना दूसरा बेस्ट स्कोर बनाया। टीम इससे पहले 2014 में आयरलैंड के खिलाफ 13.5 ओवर में ही 193 रन बना चुकी है।

ईशान किशन टी-20

आईसीसी बैटर रैंकिंग के टॉप 10 में

17 पायदान की छलांग लगाई, पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन की आतिशी पारी का फायदा

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच ताजा टी-20 रैंकिंग जारी कर दी है। इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन टॉप-10 बैटर्स में शामिल हो गए हैं। उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ वर्ल्डकप में खेली गई 77 रनों की पारी का फायदा मिला।

ईशान 17 पायदान चढ़कर बल्लेबाजों की लिस्ट में 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। लिस्ट में टॉप पर भारत के ही अभिषेक शर्मा हैं। गेंदबाजी में भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पाकिस्तान के सईम अयूब एक बार फिर नंबर-1 बन गए हैं।

पाक के खिलाफ जीरो पर आउट होने वाले अभिषेक नंबर-1- भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पाकिस्तान के खिलाफ डक पर आउट होने के बाद भी टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर-1 स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के फिल सॉल्ट दूसरे स्थान पर काबिज हैं। श्रीलंका के विस्फोटक बल्लेबाज पथुम निसंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैंडी में शानदार शतक जड़कर तीन स्थान की छलांग लगाई और तीसरे नंबर पर पहुंच गए। इंडिया के तिलक वर्मा भी एक

पायदान की छलांग लगाते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पाक बैटर साहिबजादा फरहान को नुकसान- दूसरी तरफ पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 2 स्थान नीचे लुढ़क गए हैं। साहिबजादा अब 5वें स्थान पर खिसक गए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर को भी तीन स्थान का नुकसान हुआ है और अब वह 7वें पायदान पर खिसक गए हैं।

न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को भी एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है, बावजूद इसके दोनों बल्लेबाज टॉप-10 में बने हुए हैं। अब सीफर्ट 9वें जबकि हेड 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। साहिबजादा फरहान भारत के खिलाफ 15 फरवरी को खेले गए मैच में जीरो पर आउट हुए थे। उन्हें हार्दिक पंड्या ने आउट किया था।

बॉलिंग में वरुण नंबर-1, राशिद खान दूसरे स्थान पर- गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 787 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर मजबूत बने हुए हैं। हालांकि, अफगानिस्तान के राशिद खान अब एक पायदान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और वे वरुण के काफी करीब हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्रैड इवांस को वर्ल्ड कप में लगातार दो मैचों में 3-3 विकेट लेने का फायदा हुआ है। वे अब 10 पायदान की छलांग लगाकर करियर की बेस्ट 5वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल भी 15वें और 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑलराउंडर्स में सईम अयूब ने सिकंदर रजा को पछाड़ा- ऑलराउंडर्स की कैटेगरी में नंबर-1की कुर्सी के लिए सईम अयूब और सिकंदर रजा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है।

पाकिस्तान के सईम अयूब ने भारत के खिलाफ कोलंबो में 25 रन देकर 3 विकेट लिए थे,जिसके दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर पहला स्थान हासिल कर लिया है। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं।

तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई (एजेंसी)। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया।

गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।

अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनर बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा- नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल

रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम - अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20 में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है।

केडीएमए लीग मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में अंपायर मानिक गुप्ता की गई जान

लखनऊ/उन्नाव (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। उन्नाव के शुक्लागंज के सप्रू मैदान में चल रही केडीएमए लीग मैच के दौरान मधुमक्खियों के हमले में अंपायर की मौत का मामला सामने आया है। अंपायर का नाम मानिक गुप्ता है। वह कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर अपायर थे। मधुमक्खियों के हमले के दौरान अंपायर मानिक गुप्ता 10 मिनट तक घिरे रहे। इस घटना में केसीए के सीनियर अंपायर की मौत हो गई। मधुमक्खियों के हमले के दौरान अन्य खिलाड़ियों के साथ दूसरे अंपायर ने भागकर जान बचाई। मानिक गुप्ता कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर अंपायर थे। वह 65 वर्ष के थे। उन्हें अंपायरिंग से खासा प्यार था। वह हॉर्ट की बीमारी से भी पीड़ित थे। परिवार ने उनके पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया है। उनका अंतिम संस्कार भगवतदास घाट पर किया गया।

● **अंपायरिंग से प्यार, ड्रेस में ही गई जान-** मानिक गुप्ता को अपने अंपायर होने पर बहुत गर्व था। वह अंपायर की ड्रेस से काफी प्यार करते थे। अंपायर की ड्रेस पहनकर वे काफी खुश हो जाते थे। मानिक गुप्ता के साथियों ने बताया कि अंपायर की ड्रेस पहनने के बाद मानिक सिर्फ सच्चाई और ईमानदारी की बात

करते थे। उनकी यह खासियत अंपायरिंग में भी दिखती थी। उन्होंने अंतिम सांस भी अंपायर की ड्रेस पहने हुए ली।

● **जिला स्तर के थे अच्छे खिलाड़ी-** मानिक गुप्ता क्रिकेटर थे। उन्होंने जिला स्तर पर कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। उन्हें कानपुर का बेहतर खिलाड़ी माना जाता था। बाद में उन्होंने अंपायरिंग की परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा पास कर वे कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अंपायर पैनल में शामिल हो गए। करीब 30 सालों से वे केसीए से जुड़े टूर्नामेंट और लीग मुकाबलों में अंपायरिंग करते थे। खिलाड़ियों के बीच उनकी साफ-सुथरी और निष्पक्ष छवि है। उन्हें सही फैसला देने वाले अंपायर के तौर पर पहचान मिली हुई थी। मानिक का परिवार उनकी अंपायरिंग से ही चल रहा था। बुधवार को यह घटना शुक्लागंज कस्बे के सप्रू मैदान में उस समय घटी, जब केसीए की ओर से केडीएमए लीग मैच का आयोजन हो रहा था। वाईएमसीसी और पैरामाउंट टीमों के खिलाड़ी मैदान पर जुटे थे। 65 वर्षीय अंपायर मानिक गुप्ता अंडर-13 के मैच में अंपायरिंग कर रहे थे। मैच खत्म होने के बाद घर जाने के लिए अंपायर जगदीश का मैदान में ही इंतजार कर रहे थे।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों- कर्मचारियों का व्यापक प्रशिक्षण, पारदर्शिता और गति लाने पर जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के उद्देश्य से बीते शुक्रवार को दिशा सभाकक्ष (टीएल मीटिंग हॉल), द्वितीय तल, कलेक्टर कार्यालय बेमेतरा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासन की मंशा के अनुरूप शासकीय कार्यप्रणाली को पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण मे ई ऑफिस नोडल ऑफिसर प्रकाश कुमार भारद्वाज अपर कलेक्टर, गुड्डु लाल जगत अपर कलेक्टर बेमेतरा, श्रीमती पिंकी मनहर डिप्टी कलेक्टर, रोहित कुमार चंद्रवंशी, डी आई ओ एन आई सी एवं महेंद्र कुमार वर्मा ई जिला प्रबंधक उपस्थित थे 7 प्रशिक्षण में सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स सुश्री मुस्कान जडवानी, प्रोजेक्ट इंजीनियर एवं सुश्री पूजा सेनपाल, प्रोजेक्ट इंजीनियर द्वारा ई-ऑफिस, ई-एचआरएमएस एवं स्पैरो पोर्टल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने डिजिटल फाइल निर्माण, ई-नोटिंग, ई-डिस्पैच, पत्राचार, दस्तावेज अपलोडिंग, फाइल ट्रैकिंग सिस्टम तथा ऑनलाइन अनुमोदन प्रक्रिया का चरणबद्ध प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से लाइव डेमो प्रस्तुत कर प्रतिभागियों को व्यवहारिक जानकारी दी गई, जिससे वे अपने-अपने कार्यालयों में प्रणाली का प्रभावी उपयोग कर सकें।प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित किया गया। प्रथम पाली में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिले के सभी कार्यालयों (संयुक्त जिला कार्यालय परिसर एवं जिला पंचायत में स्थित कार्यालयों को छोड़कर) के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक संयुक्त जिला कार्यालय परिसर एवं जिला पंचायत में स्थित कार्यालयों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया। दोनों सत्रों में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाइलों की अनावश्यक लंबितता समाप्त होगी तथा कार्यों की निगरानी ऑनलाइन संभव हो सकेगी। इससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही ई-एचआरएमएस प्रणाली के अंतर्गत सेवा पुस्तिका संधारण, अवकाश स्वीकृति, पदस्थापना एवं कर्मचारी विवरण अपडेट करने की प्रक्रिया समझाई गई। स्पैरो पोर्टल के माध्यम से अधिकारियों के वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन (एसीआर) की ऑनलाइन प्रविष्टि एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की जानकारी भी विस्तार से दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान करते हुए बताया गया कि शासन की मंशा शासकीय कार्यों को पेपरलेस बनाकर समय, संसाधन एवं मानवशक्ति की बचत करना है। ई-ऑफिस के सफल क्रियान्वयन से न केवल कार्यों में गति आएगी बल्कि जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालयों में प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण सत्र में साइबर सुरक्षा, डिजिटल दस्तावेजों की गोपनीयता एवं सुरक्षित लॉगिन प्रक्रिया पर भी विशेष मार्गदर्शन दिया गया। मास्टर ट्रेनर्स ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करते समय डेटा सुरक्षा के मानकों का पालन अत्यंत आवश्यक है, जिससे शासकीय अभिलेख सुरक्षित रहें और किसी प्रकार की त्रुटि या दुरुपयोग की संभावना न हो। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर अधिकारियों को नियमित रूप से ई-ऑफिस प्रणाली का उपयोग करने तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यह प्रशिक्षण जिले में प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भविष्य में शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता एवं दक्षता में सकारात्मक परिवर्तन अपेक्षित है।

सारंगढ़ जनपद पंचायत के सामने धरना, जनपद में मचा हाहाकार

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

सारंगढ़ स्थित सारंगढ़ जनपद पंचायत के सामने आज जनपद पंचायत सदस्यों द्वारा जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया।

धरने में स्थानीय विधायक भी शामिल हुई और कोसिर क्लस्टर की पीआरपी भारती धीवर को हटाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की गई। धरने के दौरान जनपद पंचायत सदस्यों ने एक स्वर में ÷पीआरपी हटाओ, महिला बचाओ÷ के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि कोसिर क्लस्टर की पीआरपी भारती धीवर के कार्यों से जनप्रतिनिधियों और महिलाओं में असंतोष व्याप्त है।

उन्होंने कहा कि जब तक संबंधित पीआरपी को पद से नहीं हटाया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर काफी संख्या में जनपद सदस्य और समर्थक मौजूद रहे। प्रदर्शन के कारण जनपद पंचायत परिसर में कुछ समय के लिए हंगामे की स्थिति बन गई और प्रशासनिक कामकाज भी प्रभावित हुआ।विधायक ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।फिलहाल प्रशासन की ओर से वार्ता और समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं। जनपद पंचायत में इस घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर द्वारा संचालित ÷स्टेट प्लान ऑफ एक्शन कैलेंडर 2026÷ के अनुसार 20 फरवरी को ÷विश्व सामाजिक न्याय दिवस÷ के अवसर पर अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सरोज नन्द दास जी के मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन नगर पंचायत कुसमी, ग्राम जामगांव, मजगांव, पंडरमठठा, पेण्डीतराई, मोहगांव (साजा) में किया गया।शिविर में उपस्थित लोगों को अधिकार मित्रों द्वारा बताया गया कि सामाजिक न्याय का अर्थ समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार, अवसर और सम्मान देना है। विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना है, जिसके अन्तर्गत गरीबी, बहिष्कार, लैंगिक असमानता, बेरोजगारी, मानवाधिकार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं।शिविर में सामाजिक न्याय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपने मानवाधिकारों और आत्मसम्मान के साथ जीवन बिताये, जब समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म, लिंग, वर्ग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं होता, तभी सच्चे अर्थों में सामाजिक न्याय स्थापित होता है। सामाजिक न्याय केवल कानून बनाने से नहीं आता, बल्कि समाज की सोच बदलने से आता है। कार्यक्रम में नालसा एवं सालसा द्वारा संचालित जागरूकता, संवाद, डॉन योजना, घरेलू हिंसा अधिनियम, लोक अदालत, मध्यस्थता, भरण-पोषण अधिनियम, महिलाओं के अधिकार, मोटरयान दुर्घटना दावा अधिनियम, हिट एण्ड रन स्कीम योजना, नवीन मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर आमजनों को जागरूक किया गया। आमजनों को नालसा टोल फ्री नंबर 15100 पर निःशुल्क विधिक सहायता और सलाह प्राप्त करने के संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। शिविर में समस्त अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

22 फरवरी को होगी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा, बेमेतरा में तीन केंद्र बनाए गए

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 (रविवार) को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तथा अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक किया जाएगा। बेमेतरा जिले में परीक्षा के लिए तीन केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें शासकीय पी.टी.जे.एल.एन. कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा, लक्ष्मण प्रसाद बैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा तथा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमेतरा शामिल हैं। इन केंद्रों में कुल 1374 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर द्वारा डिप्टी कलेक्टर को परीक्षा हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा पुलिस प्रशासन के सहयोग से परीक्षा सामग्री की सुरक्षित आपूर्ति, नकल रोकने और आकस्मिक निरीक्षण के लिए एक उड़नदस्ता दल का गठन भी किया गया है।परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच तथा फ्रिस्किंग की जाएगी। प्रत्येक केंद्र पर एक पुरुष एवं एक महिला पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे तथा महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला पुलिस कर्मियों द्वारा की जाएगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं ताकि समय पर सत्यापन और जांच की प्रक्रिया पूरी की जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा।अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह के वस्त्र पहनकर आने, जूते के स्थान पर चप्पल पहनने तथा किसी भी प्रकार के आभूषण न पहनने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी सहित अन्य सामग्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। प्रश्नपत्र के प्रवेश पत्र का प्रिंट एक ही तरफ से निकालकर लाना अनिवार्य होगा। प्रवेश पत्र के साथ फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड या आधार कार्ड परीक्षा केंद्र में लाना आवश्यक है, अन्यथा प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यदि प्रवेश पत्र में फोटो अस्पष्ट या गलत छपा हो तो अभ्यर्थी दो रंगीन पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लेकर आएं। उत्तर अंकित करने के लिए केवल काले या नीले बॉल प्वाइंट पेन का ही उपयोग किया जाएगा।

बारहवीं के प्रश्न पत्र से प्रारंभ हुआ बोर्ड परीक्षा

कुल दर्ज 5020 में से 4939 उपस्थित, 81 अनुपस्थित, कोई नकल प्रकरण नहीं

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बोर्ड परीक्षा बारहवीं के प्रश्न पत्र से प्रारम्भ हुआ है। जिले में 63 केंद्र बनाये गए हैं। विद्यार्थी कुल दर्ज 5020 में से 4939 उपस्थित, 81 अनुपस्थित हैं। पहले दिन कोई नकल प्रकरण नहीं बना है। परीक्षाओं के सुचारु, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए उड़नदस्ता दल एवं ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। जिले में परीक्षा के प्रभावी निरीक्षण हेतु जिला स्तर पर कुल 8 उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है, जिनमें प्रत्येक दल में 4-4 सदस्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ब्लॉक स्तर पर 6 उड़नदस्ता टीमों का गठन किया गया है। परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12:15 बजे तक संचालित होगी। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की ओर से उड़नदस्ता दलों को परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के दौरान शांति एवं अनुशासन बनाए रखते हुए निष्पक्ष निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के दिशा समिति की बैठक में शामिल हुए सांसद राधेश्याम राठिया और कमलेश जांगड़े

सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, बुनियादी जरूरतों स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क को पूर्ण करने पर जोर

विधायक उत्तरी जांगड़े और कविता लहरे ने क्षेत्र में शेष हितग्राहियों को योजनाओ का लाभ देने विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति (दिशा) की समीक्षा बैठक सारंगढ़ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित गई, जिसमें जिले में संचालित सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क आदि का रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया ने सारंगढ़ अनुविभाग के लिए और जांजगीर चांपा सांसद कमलेश जांगड़े ने बिलाईगढ़ अनुविभाग के लिए समीक्षा किया।बैठक में सभी विभागों की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, बुनियादी जरूरतों स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सड़क को पूर्ण करने पर जोर दिया गया। योजनाओं की प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में विशेष रूप से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की योजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। सांसद राधेश्याम राठिया ने स्वास्थ्य विभाग को जिले में फाईलेरिया बीमारी को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजागरूकता, समय पर जांच और उपचार के माध्यम से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

सांसद कमलेश जांगड़े ने भी स्वास्थ्य एवं अन्य विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। कविता लहरे,बिलाईगढ़ विधायक और उत्तरी जांगड़े सारंगढ़ विधायक ने क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अगुवाई में जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का संकल्प लिया गया।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सारंगढ़ जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता ठाकुर सहित जिले के अन्य जनपद पंचायत और नगर पंचायत के अध्यक्ष उपस्थित थे।

रायगढ़ में सनसनी : रात भर लापता झोलाछाप डॉक्टर की मिली रक्तरंजित लाश

झाड़ियों में फेंकी मिली बाइक, हत्या या साजिश? पढ़िए पूरी खबर

रायगढ़ /मूक पत्रिका

मामला चक्रधरनगर थानांतर्गत ग्राम पंचायत बेहरापाली का है रात भर लापता रहे युवक की सडक़ किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से आस पास क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक झोला झाप डॉक्टर है जो बुधवार की शाम को किसी काम से निकला था और वापस घर नहीं पहुंचा। डॉक्टर के सिर पर धारदार हथियार से वार कर चोट पहुंचाने के निशान हैं तथा शव के कुछ दूरी पर झाड़ियों में उसकी बाईक मिली। बताया जा रहा है कि किसी ने उसकी हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए मोटरसायकिल को झाड़ियों में फेंक दिया था। पुलिस अज्ञात हत्यारे के विरूद्ध जुर्म दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। उक्त घटना चक्रधरनगर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक चक्रधरनगर थानांतर्गत ग्राम बेहरापाली निवासी सत्यानंद प्रधान झोला छाप डॉक्टर था और आस-पास के गांव में जाकर मरीजों का उपचार करता था। गुरूवार की शाम को तकरीबन 7 बजे वह अपनी हीरो एचएफ डीलक्स बाईक (क्रमांक सीजी 13 वाय 0828) से अपने काम से निकला था। देर रात तक घर वापस नहीं आने पर चिंतित परिजनों ने उसकी खोजबीन की परंतु कहीं पता नहीं चला। शुक्रवार की सुबह डॉक्टर की पतासाजी की जा रही थी, इसी दौरान उन्हें जानकारी मिली कि कुरनाला के पास सडक़ बेहरापाली रोड किनारे किसी की लाश पड़ी हुई है। किसी अनहानी की आशंका से जब परिजन कुरनाला के पास पहुंचे तो शव देखकर उनके पैरों तले जमीन सरक गई। दरअसल मृतक और कोई नहीं बल्कि सत्यानंद प्रधान ही था। वहीं लाश मिलने की जानकारी मिलने पर चक्रधरनगर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल में सत्यानंद की बाईक कुछ ही दूरी पर झाड़ियों में मिली। सत्यानंद के सिर के पिछे भाग में किसी धारदार हथियार से चोट पहुंचाने के निशान थे। मामला हत्या का होने पर सायबर टीम के साथ ही पुलिस डॉग की भी मदद ली गई। हालांकि सत्यानंद प्रधान की हत्या किसने की है तथा इसके पीछे कारण क्या है इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मृतक के भाई किरण प्रधान की रिपोर्ट पर अज्ञात हत्यारे के विरूद्ध बीएनएस की धारा 103 (1), 238 (ए) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।